RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-12 अंक:322 ता. 13 जून 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठः 8 कीमतः 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

पहला कॉलम

रियासी में टेरर अटैक के बाद......20 संदिग्ध हिरासत में

नई दिल्ली। जम्मू के रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकवादियों के हमला करने के बाद अब अमरनाथ यात्रा पर खतरा मंडराने लगा है। बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए 29 जून से शुरु होने वाली यात्रा 19 अगस्त तक चलेगी। यह देखकर जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूरे राज्य के लिए सिक्योरिटी रिव्यू भी किया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस-किस पॉइंट पर कितना खतरा है और वहां किस स्तर की सिक्योरिटी की जरूरत है। रियासी बस अटैक मामले में पुलिस ने 20 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शक है कि आतंकवादियों की मदद के लिए कोई ना कोई स्थानीय शख्स भी हमले में शामिल था, जो बैक हैंड से आतंकवादियों को सपोर्ट कर रहा था। इस मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त जवानों की 11 टीमें जंगलों और पहाड़ों में फरार आतंकियों की तलाश कर रही हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले में अभी तक कोई आतंकी गिरफ्तार नहीं है। हां, 20 संदिग्ध लोगों से पूछताछ जरूर की जा रही है। मामले में बस के पीछे चल रही एक ईको कार के लापता होने और एक जीप के पीछे चलने की बात सामने आई थी।

अब अयोध्या में तैनात होंगे एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडों

-राम मंदिर की सुरक्षा को लेकर सरकार ने लिया फैसला

अयोध्या। यूपी के अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनने के बाद रोज हजारों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। ऐसे में अयोध्या आतंकियों के निशाने पर आ सकती है, जिसको लेकर सरकार सतर्क है इसको लेकर गृह मंत्रालय ने अब बड़ा फैसला लिया है। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक अयोध्या को एनएसजी हब बनाने की तैयारी है। इससे पहले भी केन्द्र सरकार देश के कई हिस्सों में एनएसजी हब बना चुकी है। हब बनने के बाद अयोध्या में एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडों तैनात होंगे। सूत्रों के मुताबिक एनएसजी को अयोध्या में आतंकवाद विरोधी और अपहरण रोधी अभियानों का विशिष्ट दायित्व सौंपा जाएगा। गौरतलब है कि अयोध्या स्थित राम मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की तैयारी की जा रही है। अयोध्या की सुरक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए गृह मंत्रालय ने ये फैसला लिया है। राम मंदिर की सुरक्षा के लिए पीएसी की आठ कंपनियों को यूपी एसएसएफ के हवाले की गई है। इसके अलावा अयोध्या की सुरक्षा के लिए एटीएस की भी टीम तैनात रहती है। वर्तमान समय में वीआईपी की सुरक्षा में तैनात एनएसजी को हटाकर सीआरपीएफ के जवान तैनात किए जा सकते हैं। एनएसजी से वीआईपी की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह से वापस लेकर इसे सीआरपीएफ को सौंपी जा सकती है।

सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल सरकार को फटकार.......टैंकर माफिया पर एक्शन क्यों नहीं

पानी की बर्बादी रोकने के लिए क्या प्लान

नई दिल्ली । दिल्ली जल संकट पर हो रही सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टैंकर माफिया पर सवाल उठाकर दिल्ली की केजरीवाल सरकार से पूछा कि क्या टैंकर माफिया के खिलाफ कोई कदम उठाया गया है या कार्रवाई की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी कर कहा कि अगर आप टैंकर माफिया के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते हैं, तब हम दिल्ली पुलिस से उनके खिलाफ कार्रवाई करने को कह सकते है। दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि हमने कदम उठाए हैं और अगर पुलिस भी एक्शन ले, तब हमें खुशी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपने पानी की बर्बादी को लेकर क्या कदम उठाए हैं? उस पर रिपोर्ट दें। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार के वकील से पूछा कि क्या हिमाचल से हरियाणा को अतिरिक्त 137 क्यूसेक पानी दिया गया या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम लगातार न्यूज़ चैनल पर देख रहे हैं कि किस तरह से दिल्ली में पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी कर कहा कि यह कोई नया मामला नहीं है। पिछले कुछ साल के दौरान यह मामला लगातार कोर्ट के सामने आता रहा है। अगर गर्मियों में हर साल इस तरह की दिक्कत होती है, तब आपने इस परेशानी से निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए? सुप्रीम कोर्ट ने आप सरकार से पूछा कि जो पानी की बर्बादी होती है उससे निपटने के लिए आपने क्या काम किया? उसके अलावा जो अवैध तरीके से पानी को ले जाया जाता है, उस लेकर क्या किया गया? इस पर दिल्ली सरकार ने कहा हम जवाब दाखिल करते है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम गुरुवार को मामले की फिर से सुनवाई करने को तैयार है।

कुवैत में लेबर रुम में लगी आग......

41 भारतीयों की मौत **30 से अधिक घायल**

कुवैत सिटी ।(एजेंसी)

कुवैत के मंगाफ में बुधवार सुबह इमारत में लगी भीषण आग में 41 लोगों की मौत हुई और 30 घायल हो गए। मरने वालों में 40 भारतीय शामिल हैं। कुवैत में भारतीय दूतावास ने कहा कि आग की घटना में 30 से अधिक भारतीय श्रमिक घायल हो गए। घटना स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे मंगाफ शहर में हुई। रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ पुलिस कमांडर ने बताया, जिस इमारत में आग लगी, उसका इस्तेमाल श्रमिकों के आवास के लिए किया जाता था और वहां बड़ी संख्या में श्रमिक थे। अधिकारियों ने बताया कि आग छह मंजिला इमारत की रसोई में लगी। अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि इमारत में करीब 160 लोग रहते थे, जो एक ही कंपनी के कर्मचारी हैं।

मेजर जनरल रशीद हमद ने कहा कि घटना की सूचना अधिकारियों को दी गई, इसके बाद राहत और बचाव का काम शुरू हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आग एक फ्लैट के किचन से शुरू हुई और पूरी इमारत में फैल गई। जिस इमारत में आग लगी है, वह केरल के रहने वाले एक शख्स की है। इमारत में भी ज्यादातर दक्षिण भारत के ही लोग थे। मरने वाले भारतीय नागरिकों में केरल के लोग शामिल हैं।

कुवैत के उप प्रधान मंत्री फहद यूसुफ अल सबा ने घटनास्थल का दौरा कर पुलिस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी, उसमें मजदूरों के क्वार्टर बने हैं। हादसे के समय भी वहां बड़ी संख्या में श्रमिक यहां मौजूद थे। दर्जनों लोगों को बचा लिया गया लेकिन दुर्भाग्य से आग से निकलने वाले धुएं के कारण कई लोगों की दम घुटने से मौत हो गई।

कुवैत में भारतीय दूतावास ने हादसे पर जानकारी देकर बताया है कि बुधवार की सुबह भारतीय कामगारों के साथ हुई दुखद दुर्घटना के संबंध में दूतावास ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। दूतावास हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय विदेश मंत्री एस जंयशकर ने कहा, कुवैत शहर में आग लगने की घटना की खबर से गहरा सदमा लगा है। कथित तौर पर 40 से अधिक मौतें हुई हैं और 50 से अधिक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमारे राजदूत शिविर में गए हैं। हम आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

ओडिशा में पहली बार भाजपा सरकार

मोहन माझी ने लिया सीएम पद की शपथ, दो डिप्टी सीएम ने भी ली शपथ

-पीएम मोदी समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री हुए शपथ ग्रहण में शामिल

भुवनेश्वर।(एजेंसी)

ओडिशा के माने हुए आदिवासी नेता और चार बार के विधायक मोहन चरण माझी ने आज बुधवार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं कनकवर्धन सिंह और प्रवति परिदा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। इसी के साथ ओडिशा में पहले बार भाजपा की सरकार का गठन हो गया।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री व अनेक केंद्रीय मंत्री मौजूद थे। ओडिशा राज्य के कद्दावर आदिवासी नेता और चार बार के विधायक मोहन चरण माझी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। जबकि उपमुख्यमंत्री के तौर पर कनकवर्धन सिंह ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। आप 1995 से पटनागढ़ विधानसभा सीट से विधायक चुने जाते रहे हैं और गठबंधन सरकार में दो बार के मंत्री भी रहे हैं। ओडिशा भाजपा अध्यक्ष का पदभार भी आप संभाल चुके हैं।

यही नहीं कनकवर्धन की पत्नी भी भाजपा की टिकट पर सांसद रह चुकी हैं। इनके अतिरिक्त प्रवति परीदा को भी डिप्टी सीएम पद की शपथ दिलाई गई है। पेशे से वकील प्रवति नीमपाडा विधानसभा सीट से पहली बार विधायक चुनी गईं हैं। प्रवति प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी रही हैं। भुवनेश्वर के जनता मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा और अन्य केंद्रीय मंत्री व अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद थे।

मोदी सरकार 3.0: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संभाला पदभार

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

राजनयिक से नेता बने एस. जयशंकर ने विदेश मंत्री के रूप में अपना दूसरा कार्यकाल शुरू करने पर कहा कि 'भारत प्रथम और 'वसुधैव कुटुंबकम' देश की विदेश नीति के दो मार्गदर्शक सिद्धांत होंगे। उन्होंने कहा कि नई सरकार का जोर, टकरावों और तनावों का सामना कर रहे विभाजित विश्व में भारत को 'विश्व बंधु' बनाने पर होगा। जयशंकर बीजेपी के उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें पिछली सरकार में संभाले गए मंत्रालयों की ही जिम्मेदारी दी गई है। जयशंकर ने कहा, 'भविष्य को ध्यान में रखते हुए, निश्चित रूप से मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री ने हमें जो दो सिद्धांत दिए हैं, भारत प्रथम और वसुधैव कुटुंबकम, वे भारतीय विदेश नीति के दो मार्गदर्शक सिद्धांत होंगे। जयशंकर ने अपने मंत्रालयी सहयोगियों पबित्रा मार्गेरिटा और कीर्ति वर्धन सिंह का विदेश मंत्रालय में स्वागत भी किया। असम से राज्यसभा सदस्य मार्गेरिटा और उत्तरप्रदेश के गोंडा निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव जीतने वाले सिंह विदेश मंत्रालय में नए राज्य मंत्री हैं।

नितिन गडकरी ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का कार्यभार संभाला

पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री का कार्यभार बुधवार को संभाल लिया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मोदी 3.0 में उन्हें यह भूमिका सौंपने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत तेज गति से विश्व स्तरीय, आधुनिक बुनियादी ढांचे से लैस होगा। 'भारत के हाईवे मैन' के नाम से पहचाने जाने वाले गडकरी को पिछले 10 वर्षों में देश में 54,858 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण का श्रेय दिया जाता है।

गडकरी के नेतृत्व में सड़क मंत्रालय का लक्ष्य इस वर्ष दिसंबर तक 1,386 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस का निर्माण पूरा करना है। संघ से करीबी संबंध रखने वाले भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने लोकसभा चुनाव में नागपुर सीट से लगातार तीन बार जीत हासिल की है। नागपुर में आरएसएस का मुख्यालय है। गडकरी का राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश 2009 में हुआ, जब उन्हें भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वर्ष 2014 में गडकरी ने नागपुर से लोकसभा चुनाव लड़ा, जीत दर्ज की और केंद्र में मंत्री बने। तब से उन्होंने सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम, शिपिंग, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण, ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज जैसे कई विभागों को संभाला है। वह 1989 से 2014 तक नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य रहे।

सीतारमण ने संभाला पदभार

-मोदी कैबिनेट में वापसी एक सफल ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर हुई

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पीएम नरेंद्र मोदी कैबिनेट में मंत्रालयों का बंटवारा हो चुका है। निर्मला सीतारमण को एक बार फिर से वित्त मंत्री बनाया गया है। बुधवार को केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री के रूप में सीतारमण ने कार्यभार संभाला। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कुछ फाइलों पर हस्ताक्षर भी किए। सीतारमण के साथ पंकज चौधरी भी थे, जिन्होंने मंत्रालय में राज्य मंत्री (एमओएस) के रूप में कार्यभार संभाला है। सीतारमण 2014 और 2019 के मोदी मंत्रिमंडल में केंद्रीय मंत्री रह चुकी हैं। पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली के निधन के बाद पीएम मोदी ने निर्मला सीतारमण को वित्त मंत्रालय का जिम्मा सौंपा था। उससे पहले उनके पास रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी थी। मोदी कैबिनेट में सीतारमण की वापसी एक सफल ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर हुई है, जिसमें भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2023-24 में 8.2 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की। यह दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज है और मुद्रास्फीति 5 फीसदी से नीचे आ गई है। वित्त मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान राजकोषीय घाटा भी 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद के 9 फीसदी से कम होकर 2024-25 के लिए 5.1 फीसदी पर आ गया। सीतारमण के सामने अब चुनौती बजट पेश करने की है। लोकसभा चुनाव के चलते इस साल फरवरी में अंतरिम बजट पेश हुआ था। अब जुलाई में पूर्ण बजट आने वाला है, जो यह तय करेगा कि अर्थव्यवस्था उच्च विकास पथ पर बनी रहे और अधिक रोजगार सृजित हो। 2014 में उन्होंने वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री और बाद में स्वतंत्र प्रभार के साथ वाणिज्य और उद्योग मंत्री के रूप में काम किया। वह 2017 में रक्षा मंत्री बनीं। 2019 में, सीतारमण ने केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला।

अगले साल से आसान होगी चारधाम यात्रा....

रेलवे का प्लान तैयार

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अगले साल से चारधाम की यात्रा आसान होगी। श्रद्धालुओं को बसों के थकाऊ सफर से राहत मिलेगी। भारतीय रेलवे ने इसका पूरा प्लान बना लिया है। इससे न केवल चारधाम के श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, बल्कि उत्तराखंड के तमाम शहरों की कनेक्टीविटी बढ़ेगी। यह रेल लाइन प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को दुबारा रेलमंत्री बनने से रेलवे लाइन का समय से पूरा होना तय माना जा रहा है।

भारतीय रेलवे के निदेशक इनफॉर्मेशन एंड पब्लिसिटी शिवाजी मारुति सुतार ने बताया कि कुल ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक 125 किमी लंबा है। इस लंबी रेल लाइन का काम अगले साल पूरा हो जाएगा। इस पूरे रूट पर 105 किमी. ट्रैक टनल पर है। 70 फीसदी से अधिक टनल का निर्माण हो चुका है। वहीं, श्रीनगर गढ़वाल, गोचर और कालेश्वर में रेलवे स्टेशनों को जोड़ने के लिए मोटर पुलों का निर्माण हो चुका है। यह प्रोजेक्ट देश सबसे अनूठा है, क्योंकि इसमें सबसे लंबी रेलवे टनल बन रही है, जिसकी लंबाई 14.58 किमी है। रेलवे के अनुसार ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक 125 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन में 105 किमी लाइन 16 मुख्य टनल से होकर गुजरेगी। इन टनल के अलावा 12 निकास टनल और क्रास पैसेज भी हैं, जिन्हें मिलाकर टनल की कुल लंबाई 213 किलोमीटर है। इसमें से 160 किलोमीटर में खुदाई का काम पूरा हो चुका है। जल्द ही इन टनल में ट्रैक बिछाने का कार्य भी शुरू होगा। इस रेल लाइन के ट्रैक मेट्रो रेल जैसे बनाए जाएंगे। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन देहरादून, टिहरी, गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमौली जिलों से होकर गुजरेगी। रेल लाइन बनने से चार धाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। इसके अलावा स्थानीय लोगों को राज्य के दूरदराज के इलाकों में ट्रेन कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। इस तरह लोग सीधे कर्णप्रयाग तक ट्रेन से जा सकते है।

आंध्र में कल्याण ने शपथ लेते हुए छुए चिरंजीवी के पैर

-चंद्रबाबू नायडू की टीम में शामिल, बनेंगे डिप्टी सीएम

अमरावती। (एजेंसी)

टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू ने सीएम और उनके मंत्रिमंडल के कई सदस्यों ने बुधवार को मंत्री पद की शपथ ली। इस मौके पर दक्षिण के सुपर स्टार पवन कल्याण ने भी मंत्री पद की शपथ ली। पवन कल्याण जनसेना पार्टी के संस्थापक हैं। वह पिथापुरम विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। वह नायडू मंत्रिमंडल में डिप्टी सीएम बनेंगे। इस समारोह में पीएम मोदी, अमित शाह भी शामिल हुए। चंद्रबाबू नायडू के बाद पद और गोपनीयता की शपथ लेने वाले पवन कल्याण ने मंच पर मौजूद सभी लोगों का अभिवादन किया। फिर वह वापस लौटे और एक शख्स के पैर छूए। यह शख्स कोई और नहीं बल्कि उनके बड़े भाई और मेगा स्टार चिरंजीवी थे। चिरंजीवी और कोनिडेला नागेंद्रबाबू भी फिल्म अभिनेता हैं। पवन ने 1996 में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने तेलुगू के अलावा कई भाषाओं में भी सुपर हिट फिल्में दी हैं। पवन ने 2008 में राजनीति में आए। उन्होंने अपने भाई चिरंजीवी द्वारा स्थापित प्रजा राज्यम पार्टी के युवा विंग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। फिर मार्च 2014 में पवन कल्याण ने जनसेना पार्टी की स्थापना की। जब उन्होंने पार्टी बनाई तो वह देशभर में काफी चर्चित हो गए थे। उनकी पहचान एक ऐसे व्यक्ति के रूप में है जो कई सेवा कार्यक्रम चलाता है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के गरीब लोगों की मदद के लिए कॉमन मैन प्रोटेक्शन फोर्स (सीएमपीएफ) नामक एक स्वैच्छिक ट्रस्ट की स्थापना की। पवन को किताबें पढ़ने का शौक है। वह मार्शल आर्ट में भी पारंगत हैं। कराटे में ब्लैक बेल्ट मिला है। 10 साल के लंबे इंतजार के बाद पावर स्टार पवन कल्याण की किस्मत बदल गई है। वह पिछले 10 सालों से राजनीति में हैं और कड़ी मेहनत की है। उन्होंने

दो बार विधानसभा चुनाव लड़ा और हार गए। भले ही लोगों ने उनका साथ नहीं दियाजे राजनीति से पीछे नहीं हटे। अंत में पवन ने पिथापुरम विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार चुनाव में जीत हासिल की। पवन ने बीजेपी और टीडीपी के साथ गठबंधन के तौर पर जनसेना लॉन्च की। उन्होंने राज्य में 21 सीटों पर चुनाव लड़ा और सभी पर जीत हासिल की। उनकी पार्टी के दो सांसद भी विजयी हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पंकजा मुंडे को हराने एकजुट हुआ शरद और अजित गुट

नवनिर्वाचित सांसद बजरंग सोनवणे का दावा

मुंबई । महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के नतीजे हैरान करने वाले हैं। यह जीतने और हराने वाले प्रत्याशी लगातार खुलासा कर रहे है। इसमें बीड संसदीय सीट का नाम मुख्य रूप से सामने आ रहा है। बीड से शरद पवार गुट के नवनिर्वाचित सांसद बजरंग सोनवणे ने सनसनीखेज दावा किया है। सांसद बजरंग सोनवणे ने कहा है कि उनकी जीत में बीड जिले के संरक्षक मंत्री धनंजय मुंडे और विधायक सुरेश दास की भूमिका थी। मुंडे एनसीपी प्रमुख अजित पवार के खास हैं। इससे बीड के राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। सोनवणे ने कहा कि मैं बीड जिले के दो लोगों को विशेष धन्यवाद देना चाहता हूं। मेरी जीत में बीड जिले के संरक्षक मंत्री धनंजय मुंडे का भी योगदान है। सोनवणे ने कहा है कि सुरेश धास से भी बड़ा सहयोग मिला। बीड से भाजपा की ओर पंकजा मुंडे उम्मीदवार थीं। वह दिवंगत केंद्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे की बेटी हैं। बीते 2019 में चुनाव में यहां से उनकी बहन प्रीतम मुंडे विजयी हुई थीं। इस चुनाव में उन्हें उम्मीद थी कि गठबंधन में होने की वजह से उनके चचेरे भाई और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे का साथ मिलेगा। एनसीपी में फूट के बाद बजरंग सोनवणे ने अजित पवार के गुट का समर्थन किया था। लोकसभा चुनाव से पहले वे अजित गुट में थे। लेकिन जैसे ही चुनाव की घोषणा हुई, वे शरद पवार के साथ आ गए।

डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों को लगाया जा रहा चूना

रांची । डिजिटल अरेस्ट'साइबर अपराधियों का एक नया हथकंडा है। हथकंडे के सहारे रांची के 5 लोगों से ठगी हुई है, जिसकी रिपोर्ट साइबर सेल में दर्ज हुई है। इन पांच मामलों में ठगी की रकम 80 लाख, दूसरे मामले 84 लाख, तीसरे मामले 30 लाख, चौथे मामले 20 लाख और पांचवां मामला 10 लाख की ठगी का है। खास बात है कि इन ठगी के शिकार लोगों में सेना के रिटायर्ड अधिकारी के साथ डॉक्टर और सेवानिवृत सरकारी कर्मी भी शामिल हैं। वहीं, मामले की जानकारी देकर सीआईडी साइबर सेल की डीएसपी नेहा बाला कहती हैं कि 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर अपराधियों का एक नया हथियार है और रांची में इस तरह के मामले अब देखने को मिल रहे हैं। इसमें साइबर अपराधी वीडियो कॉल करते हैं और फिर मोबाइल पर हो व्यक्ति को वारंट दिखाया जाता है। कहीं पर सीबीआई, कहीं पर एनआईए या किसी बड़ी एजेंसी के साथ साथ कोर्ट का भी हवाला दे व्यक्ति को डराया जाता है।

महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती के नाम 13500 की ठगी

उत्तर प्रदेश के श्रद्धालुओं को लगाया चूना

उज्जैन । उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती के नाम पर फिर उत्तर प्रदेश के श्रद्धालुओं के साथ 13500 की ठगी हुई है। अपने आप को मंदिर का पुजारी बताकर श्रद्धालुओं से भस्म आरती के नाम पर 13,500 का चूना लगाया गया। इसके बाद जब श्रद्धालु ने फोन लगाया तब अपने आप को पुजारी बताने वाले व्यक्ति का फोन बंद हो गया। इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है। दरअसल, उत्तर प्रदेश से आए श्रद्धालु चंद्र सिंह पिता रूगनाथ ने महाकाल थाना पुलिस को एक शिकायती आवेदन दिया है। आवेदन में लिखा है कि मेरे रिश्तेदार 2 जून को महाकाल दर्शन करने आए थे। अपने को महाकाल का पुजारी बताने वाले अर्जुन पिता ईश्वरलाल त्रिवेदी खाचरोद ने करीब 13,500 ऑनलाइन भस्म आरती करवाने के नाम पर ले लिए और कहा कि आपको भस्मारती और होटल दोनों करवा दूंगा। लेकिन उसका फोन बंद आने के बाद श्रद्धालुओं ने पुलिस को शिकायत की है।

बालू से भरा ट्रक झुग्गी पर पलटा, एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत

हरदोई। सड़क के किनारे झुग्गी बनाकर रह रहे एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत हो गई। इसकी वजह ये रही कि बालू से भरा एक ट्रक तेज गति से आया और मोड़ पर बनी झुग्गी पर पलट गया। जहां सोता हुआ परिवार बालू और ट्रक के नीचे दब गया। हादसा मंगलवार देर रात हुआ।जब तक बालू और ट्रक को हटाकर नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला गया, तब तक चार बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो चुकी थी। हरदोई के जिलाधिकारी एम.पी.सिंह ने बताया कि ट्रक गंगा किनारे से बालू खनन कर हरदोई जा रहा था। बालू ज्यादा होने के चलते ट्रक मोड़ पर पलट गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह ट्रक के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक एक बच्ची को छोड़कर सभी की मौत हो चुकी थी। जिलाधिकारी ने बताया, मृतकों की पहचान बब्ला (45), उसकी पत्नी मुंडी (42), बेटी सुनैना (5), बेटी लाब्रा (4), बेटी बुद्धू (4), बब्ला के दामाद करन (25), बेटी हीरो (22) और नवासा कोमल (5) के रूप में हुई है। नवासी बिट्टू (4) घायल हो गई। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।

तेजी से आगे बढ़ रहा मानसून....कई राज्यों में लू की चेतावनी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश में मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। मानसून गुजरात के कुछ हिस्सों, महाराष्ट्र और तेलंगाना के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मानसून की उत्तरी सीमा वर्तमान में नवसारी, जलगांव, अकोला, पुसाद, रामागुंडम, सुकमा, मलकानगिरी, विजयनगरम और इस्लामपुर से होकर गुजर रही है। अगले 48 घंटों के दौरान तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कुछ और हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक एक चक्रवाती परिसंचरण पूर्वोत्तर असम और पड़ोस पर स्थित है।

आईएमडी के मुताबिक इसके कारण अगले 7 दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है। अगले 5 दिनों के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ छिटपुट से लेकर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है और उसके बाद इसमें वृद्धि होगी। अगले 5 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-60 किमी प्रति घंटे) के साथ छिटपुट से लेकर हल्की से बारिश होने का अनुमान है। वहीं अगले 3 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, कर्नाटक, तेलंगाना, केरल और माहे, लक्षद्वीप में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ छिटपुट से लेकर काफी हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक अगले 5 दिनों के दौरान उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू संभाग, पूर्वी मध्य प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा के कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है। 11 से 14 जून के दौरान पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड के गंगा के मैदानी इलाकों के कुछ हिस्सों में लू से लेकर गंभीर लू की स्थिति और 15 जून को छिटपुट लू की स्थिति रहने की संभावना है।

विमान को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला निकला नाबालिग

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली पुलिस ने दिल्ली से कनाडा जाने वाली फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में एक आरोपी को पकड़ा है मजे की बात तो यह है वह कोई शातिर अपराधी नहीं बल्कि 13 साल का नाबालिग है। दिल्ली पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है उसे जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में भेजा जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली पुलिस को 4 जून की रात 11:30 बजे एक ईमेल मिला। इसमें कनाडा जाने वाली फ्लाइट में बम रखे जाने की बात लिखी थी। मेल मिलते ही फ्लाइट रोक दिया गया। बाद में जांच में पता चला कि ईमेल को यूपी के मेरठ से भेजा गया था। पुलिस ने मेरठ जाकर तफ्तीश की। तब सामने आया कि इसे एक 13 साल के लड़के ने भेजा था।

जांच में पता चला कि इस नाबालिग को ये आईडिया मुंबई की एक फ्लाइट में बम रखे जाने की खबर देखकर आया, उसने अपने फोन से एक फर्जी ईमेल आईडी बनाई। लड़के ने विमान को उड़ाने का ईमेल मौज-मस्ती में भेज दिया वो देखना चाहता था कि पुलिस उसका पता लगा पाती है या नहीं। अगली सुबह टीवी पर फ्लाइट में बम की खबर देखकर वो डर गया लेकिन डर के मारे उसने यह बात अपने घर वालों को भी नहीं बताई। पुलिस ने नाबालिग का फोन जब्त कर लिया है। नाबालिग की काउंसलिंग करवाई जाएगी।

बता दें, दिल्ली से टोरंटो जाने वाली एयर कनाडा की फ्लाइट 4 जून की रात 10 बजकर 50 मिनट पर उड़ान भरने वाली थी। उसी समय दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पुलिस स्टेशन में फ्लाइट में बम होने का धमकी भरे ईमेल के बारे में एक पीसीआर कॉल आई। इसके बाद हवाई अड्डे को हाई अलर्ट पर रखा गया और फ्लाइट की तलाशी ली गई। जांच में कुछ नहीं यह मेल फर्जी निकाला था।

बीजेपी अध्यक्ष के लिए बिहार के इस खांटी नेता का नाम भी

संघ से जुड़े और संगठन में अच्छी पकड़

पूर्वी चंपारण । भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मोदी सरकार 3.0 में स्वास्थ्य मंत्रालय और केंद्रीय रसायन व उर्वरक मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया है। इसके साथ ही राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है कि बीजेपी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा। बीजेपी अध्यक्ष के रूप में कई नाम की चर्चा है। राजनीतिक गलियारों में बीजेपी अध्यक्ष के रूप में कई नाम की चर्चा है। इन चर्चाओं में एक नाम चौंकाने वाला है, वह पूर्वी चंपारण के सांसद राधा मोहन सिंह हैं। मीडिया रिपोर्ट से ये खबर आ रही है कि राधा मोहन सिंह को बीजेपी का नया किंग बनाया जा सकता है। इसके पीछे कई वजह भी हैं। दरअसल, इस बार नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बनी एनडीए सरकार में बिहार से आठ मंत्री बनाए गए हैं, लेकिन इसमें राजपूत समाज से एक भी मंत्री नहीं हैं। इस लेकर बिहार के राजपूत समाज में काफी नाराजगी है। इसके अलावा बीजेपी लोकसभा चुनाव में भी देशभर में राजपूत समाज बीजेपी के प्रति नाराजगी दिखा चुके हैं। माना जा रहा है कि राजपूत समाज की नाराजगी का नुकसान बीजेपी को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात जैसे राज्यों में हो चुका है। इसके बाद बीजेपी राधा मोहन सिंह को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर इस नाराजगी को दूर कर सकती है। सिंह राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के खांटी नेता माने जाते हैं। बिहार में राधा मोहन सिंह की पहचान एक जमीनी नेता की रही है। साथ ही वह संगठन के स्तर पर नीतियां बनाने में माहिर माने जाते हैं।

बीजेपी अध्यक्ष पद की रेस में मध्य प्रदेश के आदिवासी नेता फग्गन सिंह कुलस्ते, हिमाचल प्रदेश के युवा कद्दावर सांसद अनुराग ठाकुर, यूपी प्रभारी के तौर पर विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन कर चुके सुनील बंसल जैसे नाम की भी चर्चा है। इसके अलावा पार्टी में यह भी चर्चा है कि बीजेपी दक्षिण भारत में विस्तार के मिशन पर है। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दक्षिण भारत के राज्यों में प्रदर्शन सुधारने के लिए काफी जोर लगाया, लेकिन खास फायदा नहीं हुआ। इसके बाद अनुमान है कि बीजेपी अपने नए अध्यक्ष की जिम्मेदारी दक्षिण भारत के किसी नेता को सौंप सकती है। हालांकि देखना होगा कि बीजेपी और संघ मिलकर अध्यक्ष पद के लिए किस नेता के नाम पर मुहर लगाती है।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में शुरू होगी योग की पढ़ाई

प्रयागराज । (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 30,000 से ज्यादा छात्र पढ़ रहे हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 2024-25 के लिए प्रवेश की तैयारी चल रही है, वहीं अगले सत्र 2025-26 के लिए भी कुछ नए कोर्सों का संचालन शुरू करने की तैयारी हो रही है। लगातार विश्वविद्यालय में छात्रों को सभी विषयों में अपग्रेड करने के लिए नए कोर्स की भूमिका अधिक होगी, इसलिए योग की बढ़ती डिमांड को देखकर इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भी योग से संबंधित कोर्स शुरू किए जाएंगे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में बैठक में वाइस चांसलर प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव ने डिप्लोमा इंटीग्रेटेड कोर्स के बारे में जानकारी दी। बैठक के बाद दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर ऋषिकांत पांडे ने बताया कि अगले सत्र से नई शिक्षा नीति के तहत योग को प्रमोट किया जाएगा, जिसमें योग साइंस नाम से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों को दर्शन विभाग के अंतर्गत ही पांच वर्षीय योग साइंस इंटीग्रेटेड कोर्स करने का मौका मिलेगा। इस पांच वर्ष के इंटीग्रेटेड कोर्स के माध्यम से छात्रों को योग साइंस में स्नातक व परास्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी। विभाग अध्यक्ष पांडे बताते हैं कि इसमें प्रवेश लेने वाले छात्रों को एक वर्ष कंप्लीट करने पर सर्टिफिकेट, दो वर्ष पूर्ण करने पर डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में योग साइंस का स्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी। चौथे वर्ष में प्रवेश करने पर छात्रों को योग में ऑनर्स की डिग्री, वहीं पांच वर्ष पूरा करने पर छात्रों को परास्नातक की डिग्री मिलेगी। योग जीवन के महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल होता है, इसलिए योग थेरेपी, योग रिसर्च, योग प्रशिक्षक, स्वास्थ्य सलाहकार और योग पर आधारित कई आयोजनों को लेकर इसमें करियर की अपार संभावनाएं भी हैं।

चीन के साथ जैसे को तैसा.....मोदी सरकार बदलेगी तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र की जगहों के नाम

भारत सरकार का कदम अपने दावों को पुख्ता करना

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारत सरकार, चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक जगहों के नाम बदलने की योजना तैयार कर रही है। भारतीय सेना के सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि उन्होंने ऐसा एक दस्तावेज देखा है। इस दस्तावेज में उन जगहों की सूची है जिनके नाम बदलने की तैयारी मोदी सरकार कर रही है। अब जब देश में लोकसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं, तब नई सरकार इन जगहों की सूची जल्द ही जारी कर सकती है। कुछ दिनों पहले चीन ने भारत के अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों के नाम बदले थे। भारत सरकार के इस कदम को चीन के 'नाम-बदलो अभियान' का जवाब बताया जा रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली नव-निर्वाचित एनडीए सरकार ने 30 जगहों के नाम बदलने की अनुमति दे दी है। भारतीय सेना इन जगहों के नाम आधिकारिक रूप से प्रकाशित करेगी। साथ ही इस वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ अपडेटेड मैप में भी शामिल किया जाएगा। नामों की इस सूची में विभिन्न भौगोलिक विशेषताएं शामिल हैं। जैसे कि आवासीय क्षेत्र, पहाड़, नदियां, झील और पहाड़ी दर्रा। भारत के इस कदम के पहाड़ी दर्रा। भारत के इस कदम के पहाड़ी चीन के साथ तनावपूर्ण रिश्तों को कारण बताया जा रहा है।

खासकर मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध की शुरुआत के बाद से दोनों देश के बीच तनाव और बढ़ गए हैं। दोनों देशों ने गतिरोध को दूर करने के लिए 21 बार सैन्य वार्ता की है। पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में, भारत का लक्ष्य तिब्बत के कब्जे वाले स्थानों को अपना नाम देकर अपने क्षेत्रीय दावों को पुख्ता करना है।

आंध्र प्रदेश की राजधानी बनेगी अमरावती, अलग-अलग बनाई जाएंगी नौ सिटी

-20 साल में 1.09 लाख करोड़ रुपए होंगे खर्च, लोगों को मिलेंगी सुविधाएं

नई दिल्ली। (एजेंसी)

तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आंध्र प्रदेश की 175 विधानसभा सीटों में से एनडीए ने 164 सीटें जीती हैं। जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस 11 सीटें जीत पाई। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से एक दिन पहले नायडू ने एक बड़ी घोषणा की उन्होंने कहा आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती होगी।

टीडीपी के एक बार फिर सत्ता में आने के बाद अमरावती को नई राजधानी बनाने की कवायद तेज हो गई है। नायडू ने अपनी पिछली सरकार में अमरावती को राजधानी बनाने का प्रस्ताव रखा था। इस पर काम भी चल रहा था, लेकिन 2019 के विधानसभा चुनाव में टीडीपी की हार के बाद ये प्लान ठंडे बस्ते में चला गया। 2019 में जब जगन मोहन रेड्डी मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने तीन राजधानी-विशाखापट्टनम, अमरावती और कुर्नूल को बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसे लेकर बिल भी लाया गया था लेकिन हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। फिलहाल ये मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है।

2014 में आंध्र प्रदेश का बंटवारा हुआ और तेलंगाना नया राज्य बना। 10 साल तक हैदराबाद को ही तेलंगाना और आंध्र की राजधानी बनाया गया। 2 जून 2024 को 10 साल पूरे होने के बाद अब हैदराबाद सिर्फ तेलंगाना की ही राजधानी बन गई है।

दस साल पहले बंटवारे में तय हुआ था कि हैदराबाद ही तेलंगाना की राजधानी रहेगी, और आंध्र प्रदेश को नई राजधानी बनानी होगी। 2014 में सरकार में आने के बाद चंद्रबाबू नायडू ने अमरावती को राजधानी बना दिया। 22 अक्टूबर 2015 को पीएम नरेंद्र मोदी ने अमरावती में नई राजधानी की बुनियाद भी रख दी थी। इतना ही नहीं, नई राजधानी बनाने के लिए नायडू सरकार ने किसानों से 33 हजार एकड़ जमीन भी अधिग्रहित कर ली थी।

अमरावती मास्टर प्लान के मुताबिक 217 वर्ग किलोमीटर के दायरे में राजधानी को तैयार किया जाएगा। हर व्यक्ति की जरूरत का ख्याल रखते हुए एक वर्ल्ड क्लास सिटी की तरह बनाया जाएगा। कोर कैपिटल एरिया में सरकारी दफ्तर, सांस्कृतिक संस्थान और पब्लिक स्पेस बनाए जाएंगे। राजधानी के सभी रिहायशी इलाके, कमर्शियल इलाके, शैक्षणिक संस्थान और बिजनेस हब सड़क और पब्लिक ट्रांसपोर्ट से कनेक्ट किए जाएंगे। मास्टर प्लान में बताया गया है कि 2050 तक अमरावती की आबादी 35 लाख से ज्यादा हो जाएगी। अमरावती को राजधानी बनाने से 15 लाख नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

अमरावती की राजधानी में 9 सिटी होंगी, जिसमें गवर्नमेंट सिटी ये उत्तर-दक्षिण में बसेंगी। यहां सरकारी दफ्तर होने के साथ-साथ रिहायशी इलाके भी होंगे ये पूरी सिटी 1,093 हेक्टेयर में बनाई जाएगी। गवर्नमेंट सिटी के बगल में ही जस्टिस सिटी बनाई जाएगी। यहां ज्यूडिशियरी से जुड़े संस्थान होंगे। जस्टिस सिटी 1,339 हेक्टेयर में बनेगी। वहीं फाइनेंस सिटी को आंध्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के मकसद से बनाया जाएगा। यहां कमर्शियल और रेसिडेंशियल, दोनों इलाके होंगे।

उप्र में ताबड़तोड़ एनकाउंटर से अपराधियों और जमीन माफियाओं में मचा हड़कंप

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में आम आदमी की सबसे बड़ी समस्या गुंडागर्दी है। इन पर लगाम कसने वाली सरकार को राज्य की सफल सरकार माना जाता है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव परिणाम और आचार संहिता हटने के बाद यूपी की योगी सरकार सुपर एक्शन मोड में दिख रही है। बुलडोजर एक्शन के साथ ही ताबड़तोड़ पुलिस एनकाउंटर से अपराधियों और लैंड माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। चुनाव परिणाम आने के बाद से बुधवार सुबह तक पुलिस ने कुल 22 एनकाउंटर किये हैं। इनमें दो इनामी बदमाश ढेर हुए हैं, जबकि 20 से अधिक अपराधी ऑपरेशन लंगड़ा के तहत गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस मुख्यालय से जारी आंकड़ों के मुताबिक जौनपुर और मुजफ्फरनगर में एक-एक इनामी बदमाश ढेर हुए हैं। जौनपुर में 5 जून को एक लाख का इनामी प्रशांत सिंह उर्फ प्रिंस मार गिराया गया। वह सात सालों से फरार चल रहा था।

इसके अगले ही दिन मुजफ्फरनगर में भी एक एनकाउंटर हुआ, जिसमें बिहार का कुख्यात बदमाश और दो लाख रुपए का इनामी नीलेश राय ढेर हो गया। चुनाव परिणाम आने के बाद से यूपी के 13 जिलों में अब तक 22 एनकाउंटर हुए हैं। इनमें 20 से अधिक अपराधी पुलिस की गोली लगने से घायल हुए हैं। 5 जून को ही अंबेडकरनगर में दो जो तस्कर गोली लगने घायल हुए। इसी दिन मेरठ में भी होमगार्ड से लूटपाट करने वाले दो लुटेरों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। दोनों के पैर में गोली लगी। बिजनौर में भी पांच जून को प्रॉपर्टी डीलर के हत्यारे से पुलिस की मुठभेड़ हुई और पैर में गोली लगने से घायल हो गया। शामिल में भी पशु तस्करों से मुठभेड़ में एक आरोपी घायल हुआ। गाजियाबाद में भी 5 और 6 जून को हुए एनकाउंटर में दो बदमाश घायल हो गए। बरेली में भी एक अपराधी पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ।

चीन की वेनिस नाम की परियोजना पूरी तरह से फ्लॉप, 'तैरता हुआ शहर' एक बेजान और सूखी सी जगह बनकर रह गया

बीजिंग। चीन के वेनिस नाम की यह परियोजना पूरी तरह से फ्लॉप साबित हुई क्योंकि इसके अधिकांश हिस्से निर्जन और बेजान से लगते हैं। चीन के उत्तर-पूर्वी लियाओनिंग प्रांत के बंदरगाह शहर डालियान के पास छोटा सा वेनिस बनाने का मकसद यूरोपीय शैली की वास्तुकला और संस्कृति को शामिल करना था, जहां चीनी नागरिकों को इटली का आनंद लेने के लिए दूर की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। इसे बनने में चार साल लगे लेकिन उम्मीद के खिलाफ भीड़ को आकर्षित करने और प्रदूषण को कम करने में सक्षम होने के बजाय, 'तैरता हुआ शहर' एक बेजान और सूखी सी जगह बनकर रह गया है। यहां उम्मीद के मुताबिक उतनी भीड़ दिखाई नहीं देती है। आधी-अधूरी इमारतों और विरल सड़कों से, पूर्वी-एशियाई देश के वेनिस के प्रयास के नए फुटेज देख कर ऐसा लगता है कि यह पर्यटकों के लिए एक आकर्षक स्थान नहीं है। पस्टिक्स एंड ट्रेन्स के तहत पोस्ट करने वाले एक ट्रैवल ब्लॉगर ने 'लिटिल वेनिस' पहुंचने पर अपने 'हैरान' होने की बात स्वीकार की। डालियान में असामान्य साइट से आकर्षित होने के बावजूद, यह नयापन जल्दी ही फीका पड़ गया लगता है। ब्लागर का कहना है कि यह वास्तव में मृत है। यह उजाड़ है। सब कुछ बंद है। बहुत सारी इमारतें हैं। हर जगह इस तरह इमारतें मिल जाएंगी, लेकिन ऐसा लगता है कि वास्तव में कुछ भी उपयोग नहीं किया जा रहा है। इस आकर्षण को पहली बार 2015 में जनता के लिए खोला गया था और इसमें चार किलोमीटर की मानव निर्मित नहर है। ऐसा कहा जाता है कि डेवलपर्स को भारी यातायात प्रवाह के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने की उम्मीद थी। लेकिन यह कई जगह पर सूखी भी है। वहीं कुछ इलाके, जिनमें एक चर्च भी शामिल है, वाकई हैरान भी करते हैं। बता दें कि कम लोग जानते हैं कि चीन अपने ही देश में दुनिया की कुछ खास टूरिस्ट प्लेस की नकल बना रहा है जिससे उसका टूरिज्म बढ़ सके। इसी वजह से वहां 507 मिलियन पाउंड यानी, 53 अरब 82 करोड़ 73 लाख रुपयों का 'नकली' इटली पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनने के लिए बनाया गया था। अब बताया जाता है कि यह 'सड़ते हुए भूतहा शहर' में तब्दील हो गया है।

जापान में बढता जा रहा है निंजा भालुओं का आंतक, भालू अब इंसानों पर भी करने लगे है हमला

टोक्यो। पिछले कई महीनों से जापान में इन निंजा भालुओं का आंतक बढ़ता ही जा रहा है। ये भालू अब इंसानों पर भी हमला करने लगे है और उनके मुंह में खून लग गया है, लेकिन इसका कारण कम अजीब नहीं है। पिछले साल एक विशाल 'निंजा भालू' को आखिरकार पकड़ा गया, जो सालों से मवेशियों पर हमला कर रहा था। लेकिन मवेशियों की मौतें फिर से शुरू हो गई हैं और कभी शर्मीले भालू अब अपना भयानक ध्यान इंसानों पर केंद्रित कर रहे हैं। जापान के पहाड़ी द्वीप होक्काइडो में एक विशाल भालू, जिसकी लंबाई 7 फीट 3 इंच थी और स्थानीय लोग उसे ओसो18 कहते थे, खेतों पर हमला कर रहा था और मवेशियों के अंदरूनी हिस्से को चीर रहा था। हमले सालों तक चलते रहे और कोई भी खून के प्यासे जानवर को पकड़ नहीं पाया, जिसके कारण इसे 卐निंजा卐 भालू कहा जाने लगा। लेकिन यह सिलसिला अब बढ़ गया है। ये जानवर आमतौर पर मुख्य रूप से शाकाहारी और कीट आहार खाते हैं, लेकिन जापान में हिरणों की बढ़ती संख्या के कारण कथित तौर पर उनमें मांस के लिए स्वाद विकसित हो गया है। इनका पहले ज़्यादा शिकार किया जाता था, लेकिन अब शिकारी कम हैं। जो अभी भी शिकार करते हैं, वे शवों को पहाड़ों में छोड़ देते हैं, जहाँ भालू आसानी से भोजन कर सकते हैं। कांडा यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज में जापानी अध्ययन के एक विशेष व्याख्याता जेफरी जे हॉल ने बताया कि भालू निर्जन क्षेत्रों पर कब्जा कर रहे हैं। शिकार प्रथाओं में बदलाव का भालू की संख्या पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है आमतौर पर शिकारी भालू की आबादी को नियंत्रित रखते हैं, लेकिन जापानियों की युवा पीढ़ी शहरों में चली गई है और बहुत से शिकारी अब बुजुर्ग हो गए हैं। ऐसे में भोजन की तलाश में बेखौफ खेतों में आकर हमला करने लगे हैं। बता दें कि जापान की निंजा एक युद्धकला के तौर पर मशहूर है। लेकिन कई बार कुछ अनोखी चीजों को भी निंजा से जोड़ दिया जाता है। ऐसे में जब हम निंजा भालू के बारे में कुछ भी सुनते हैं तो हमें जापान के किसी खास तरह के भालू का अहसास होता है।

जेनिफर-बेन की तलाक की अफवाहों को मिला बल, बेच रहे घर

लॉस एजेलिस। हाल ही में पता चला है कि हॉलीवुड कपल जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक अपना 60 मिलियन डॉलर का घर बेच रहे हैं। इस खबर ने ऐसे में दोनों के अलग होने की अटकलों को और मजबूत कर दिया है। बेन और जेनिफर के करीबी सोर्स से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों अपने साझा घर को बेचने के लिए एजेंसी के रियाल्टार सैंटियागो अराना के साथ सीधे संपर्क में हैं। तकरीबन एक साल पहले बेन और जेनिफर ने कथित तौर पर 60 मिलियन डॉलर से ज्यादा कीमत चुकाकर इस आलीशान घर को खरीदा था। दो साल पहले तक बेन और एफ्लेक घर की तलाश कर रहे थे। तकरीबन 80 से भी ज्यादा प्रॉपर्टी देखने के बाद उन्हें बेवर्ली हिल्स वाला घर मिला था और अब इनके घर को बेचने की खबरें सामने आ रही हैं। हालांकि, इन सब खबरों पर अभी तक बेन और जेनिफर का कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है। तलाक और घर बेचने की खबरों के बीच दोनों को कई बार बच्चों के इवेंट्स में एकसाथ देखा गया है। वहीं, बीते दिनों उन्हें रोमांटिक अंदाज में भी देखा गया था। वहीं, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो जेनिफर लोपेज ब्रेंटवुड में किराये के मकान में शिफ्ट हो गई है। सूत्रों का यह भी दावा है कि एक्ट्रेस फिर से एक नए घर की तलाश में हैं। बता दें कि हॉलीवुड कपल जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक पिछले कई दिनों से अपने तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि, अलग होने की खबरों पर दोनों की ओर से कई ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है। वहीं कई बार उन्हें एक साथ स्पॉट होते भी देखा जा चुका है।

बच्चों में बुद्धि के विकास में सहायक है वीडियो गेम, वैज्ञानिकों ने अध्ययन के बाद किया यह दावा

स्टॉकहोम। वैज्ञानिकों ने अध्ययन किया है कि वीडियो गेम बच्चों के दिमाग को कैसे प्रभावित करते हैं। शोधकर्ताओं ने दस से 12 वर्ष की आयु के 5,000 से अधिक बच्चों का साक्षात्कार लिया और परीक्षण किया। और वैज्ञानिक रिपोर्ट में प्रकाशित परिणाम कुछ के लिए आश्चर्यजनक होंगे। बच्चों से पूछा गया कि वे दिन में कितने घंटे सोशल मीडिया पर, वीडियो या टीवी देखने और वीडियो गेम खेलने में बिताते हैं। जवाब था- बहुत घंटे। औसतन, बच्चे दिन में ढाई घंटे ऑनलाइन वीडियो या टीवी कार्यक्रम देखने में, आधा घंटा ऑनलाइन सोशलाइजेशन और एक घंटा वीडियो गेम खेलने में बिताते हैं। यह समय कुल मिलाकर, औसत बच्चे के लिए दिन में चार घंटे और शीर्ष 25 प्रतिशत के लिए छह घंटे - बच्चे के खाली समय का एक बड़ा हिस्सा था। और अन्य रिपोर्टों में पाया गया कि यह दशकों में नाटकीय रूप से बढ़ा है। पिछली पीढ़ियों में स्क्रीन आसपास तो थे, लेकिन अब यह वास्तव में बच्चों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। क्या यह एक बुरी बात है? खैर, यह जटिल है। बच्चों के विकासशील दिमाग के लिए फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। और ये उस परिणाम पर निर्भर हो सकते हैं जिसे आप देख रहे हैं। हमारे अध्ययन में, हम विशेष रूप से बुद्धि पर स्क्रीन टाइम के प्रभाव में रुचि रखते थे - प्रभावी ढंग से सीखने, तर्कसंगत रूप से सोचने, जटिल विचारों को समझने और नई परिस्थितियों के अनुकूल होने की क्षमता। बुद्धिमत्ता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण गुण है और बच्चे के भविष्य की आय, खुशी और लंबी उम्र का आधार भी है। अनुसंधान में, इसे अक्सर संज्ञानात्मक परीक्षणों की एक विस्तृत श्रृंखला पर प्रदर्शन के रूप में मापा जाता है।

तेल अवीवी में लोग हमास के हमले में बंधक बनाये गये लोगों को रिहा करने की मांग करते हुए।

दुनिया के सबसे छोटे विवाहित जोड़े.....ने बनाया ये रिकॉर्ड

ब्राजील। दुनिया के सबसे छोटे विवाहित जोड़े ने अपनी लंबाई के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी प्रेम कहानी से हैरान हैं। ब्राजील के 31 वर्षीय पाउलो गेब्रियल दा सिल्वा बैरोस और 28 वर्षीय कैट्युसिया ली होशिनो, पहली बार 2006 में ऑनलाइन मिले थे और कई साल खुशी-खुशी प्यार में बिताए हैं। अब वे रिकॉर्ड बनने के बाद से शादी करने वाले सबसे छोटे जोड़े हैं। उन्होंने कहा, हम भले ही छोटे हों, लेकिन हमारे दिल बड़े हैं, एक-दूसरे के साथ-साथ अपने जीवन में सभी के लिए बहुत प्यार करते हैं। इस जोड़े की कुल लंबाई 181.41 सेमी है, जिसमें पाउलो की लंबाई 90.28 सेमी और कैट्युसिया की 91.13 सेमी है। लेकिन

पुरस्कार विजेताओं के बारे में हाल ही में इंस्टाग्राम पोस्ट ने इन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया है। एक यूजर ने लिखा, प्यार जीतता है। एक दूसरे यूजर ने पोस्ट किया, बहुत बढ़िया, आप दोनों को बधाई! पाउलो और कैट्युसिया ने 17 सितंबर, 2016 को शादी की और रिकॉर्ड मिलने के बाद से वे सात साल तक सुर्खियों में रहे। पहली बार सम्मान मिलने के बाद यह जोड़ी यूट्यूब वीडियो में भी दिखाई दी।

चीन द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने भारत के साथ करेगा काम!

-तीसरी बार पीएम बनने से मोदी की बढ़ी ताकत, चीन ने जताई इच्छा

बीजिंग (एजेंसी)। भारत के लगातार तीसरी बार पीएम बनने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की ताकत और बढ़ गई है। अब उनके खौस से पड़ोसी देशों में हलचल है। अब भारत के पड़ोसी देश दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे हैं। वहीं अब चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने पीएम नरेन्द्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने का इच्छुक है।

एक रिपोर्ट के अनुसार ली ने कहा कि चीन-भारत संबंधों का सुदृढ़ और स्थिर विकास न केवल दोनों देशों के लोगों के हित में है बल्कि यह क्षेत्र और दुनिया में स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा के संचार में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। चीनी विदेश मंत्रालय ने 5 जून को आम चुनावों में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की जीत पर पीएम मोदी को बधाई दी और कहा कि दोनों देशों को चार साल पहले गलवान की घटना के बाद से रुके हुए द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर ट्रैक पर आगे बढ़ाने के लिए भविष्य की तरफ देखना चाहिए। बता दें 5 मई, 2020 को पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध शुरू होने के बाद से दोनों देशों के बीच व्यापार को छोड़कर बांकी आपसी संबंध खराब हो गए थे। इसके बाद गलवान के पास पैंगोंग क्षेत्र में हिंसक झड़प हुई थी। चीन ने कहा कि एक स्वस्थ और स्थिर रिश्ते दोनों देशों के हित में है और इस क्षेत्र और उससे आगे की शांति और विकास के लिए अनुकूल है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों देशों और लोगों के मौलिक हितों में काम करने, हमारे संबंधों के समग्र हित को ध्यान में रखने, भविष्य की तरफ देखने और द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर राह पर आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है। हालांकि एक दिन बाद चीन ने पीएम मोदी की इस टिप्पणी पर विरोध जताया कि भारत, ताइवान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए तत्पर हैं। मोदी की यह टिप्पणी ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते द्वारा उनकी चुनावी जीत पर दिए गए बधाई संदेश के जवाब में आई थी। चीन ताइवान को एक विद्रोही प्रांत मानता है जिसे बलपूर्वक हासिल करना चाहता है। भारत पीपुल्स लिबरेशन आर्मी पर देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों से हटने का दबाव बना रहा है, और कहता रहा है कि जब तक सीमाओं की स्थिति असामान्य बनी रहेगी, तब तक चीन के साथ उसके संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो सकती है।

पीएम मोदी को बधाई नहीं, जिनपिंग की खिंचाई... अब दी सफाई

-सोशल मीडिया पर यूजर्स ने खूब ली मौज

बीजिंग। नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार भारतीय प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली है। लगातार तीसरी बार पीएम बनने पर नरेंद्र मोदी को दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्षों ने बधाई दी है। वहीं पड़ोसी राष्ट्र चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चुप्पी साधे रखी। जिनपिंग की ओर से मोदी को बधाई नहीं दिए जाने की चीन और भारत में ही नहीं कई देशों की मीडिया में चर्चा हुई। इस घटना को दोनों देशों के तनावपूर्ण रिश्तों को और खराब करने की तरह से देखा गया। आलोचना होने पर चीन की ओर से सफाई दी गई कि जिनपिंग चीन के राष्ट्रपति हैं और नरेंद्र मोदी ने पीएम पद की शपथ ली है। इसके बाद उनके चीनी समकक्ष ली कियांग ली ने मोदी को बधाई दी है।

चीन की ओर से सफाई आने के बाद जिनपिंग और ज्यादा घिर गए। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उनके बयानों के स्क्रीनशॉट वायरल कर दिए, जिसमें उनकी ओर से बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना और पाक पीएम शहबाज शरीफ को शपथ लेने पर बधाई दी थी। सोशल यूजर्स ने सवाल किया कि क्या पीएम के पीएम को बधाई देने का नियम सिर्फ भारत के लिए ही है। कुछ महीने पहले तक जिनपिंग दूसरे पड़ोसी देशों के प्रधानमत्रियों को बधाई दे रहे थे। इसके बाद राष्ट्रपति जिनपिंग के मोदी को बधाई ना देने के मामले को ठंडा करने के लिए अब चीनी दूतावास ने बयान जारी किया है। भारत में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने बयान में कहा है कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसी देश हैं। इसके बाद बॉर्डर विवाद सहित सभी प्रासंगिक मुद्दों को ठीक से संभाला जाना चाहिए। भारत चीन के मजबूत और स्थिर संबंध सिर्फ दोनों देशों के ही नहीं पूरे क्षेत्र में शांति और विकास के लिए जरूरी हैं। चीन पड़ोसियों से अच्छे रिश्ते चाहता है और द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने को इच्छुक है।

पीओके ने पीएम मोदी के सामने रखा ऐसा प्रस्ताव, पाकिस्तान के छूटे पसीने, क्या करने वाला है भारत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की, जिसके बाद दुनियाभर के देशो ने उन्हें बधाई दी। इसी बीच पीओके के एक्टिविस्ट ने पीएम मोदी से गुहार लगाई कि मोदी जी आप मुझे अपनी टीम में शामिल कर लें। अमजद अयूब मिर्जा नाम के एक सोशल एक्टिविस्ट ने भारत के प्रधानमंत्री से बड़ी मांग करते हुए कह दिया कि मोदी उन्हें मंत्री बनाए या सरकार में कोई जिम्मेदारी दें। मिर्जा ने ये भी कह डाला कि वो भारतीय हैं और उन्हें सरकार में रहकर देश की सेवा करने का मौका मिलना चाहिए।

1947 में कश्मीर के महाराजा हरि सिंह को पाकिस्तान ने डील के बाद धोखा दिया। इसके बाद कश्मीर भारत के साथ जुड़ा और बाकायदा विलय हुआ। ऐसे में कश्मीर के लोग भारतीय हैं, ये मेरा स्पष्ट विचार है। मेरा विश्वास है कि भारत आपकी लीडरशिप में आगे जाएगा। उम्मीद है कि इस बार पीओके का मामला भी हल होगा और कश्मीर भारत का हिस्सा बनेगा। उन्होंने अपने बारे में बताते हुए कहा कि मेरा ताल्लुक पीओके से है और मैं लंदन में रहता हूं। पीओके के लोग भी भारतीय नागरिक हैं। इसलिए भारतीय होने के नाते मैं भी आपकी टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं।

पीओके से जिस तरह के वीडियो सामने आ रहे हैं वो ये दिखा रहे हैं कि पाकिस्तान की सेना पीओके के लोगों पर जुल्म कर रही है। पीओके के लोग भारत को बता रहे हैं कि पाकिस्तान से उनको आजादी चाहिए। चुनाव के दौरान जिस तरह से राजनेताओं ने पीओके को लेने की बात कही है वो भी ये दिखाता है कि वो पल दूर नहीं जब भारत का तिरंगा पीओके में लहराएगा। वैसे ये पहली दफा नहीं है कि पीओके से पाकिस्तान सरकार के सौतेले व्यवहार की कहानी सामने आई है। पीओके के नागरिकों के साथ ज्यादती करने हुए पाकिस्तानी सेना और हुक्मरान रंगे हाथ भी पकड़े गए थे।

पाकिस्तान में बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक... 2 लाख का कर्ज

बीते 10 साल में कर्ज बढ़कर दोगुना हुआ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का आर्थिक संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। जिससे देश के सामने कई नई परेशानियां खड़ी हो रही है। पाकिस्तान ने बीते दस सालों में कर्ज लेने में रिकॉर्ड बना दिया है। पाकिस्तान पर 2013 के बाद से कर्ज पांच गुना बढ़ गया है। मार्च 2024 तक पाकिस्तान पर कर्ज 67.525 ट्रिलियन रुपए हो चुका है। इस कर्ज पर ब्याज देने में देश के राजस्व का बड़ा हिस्सा जा रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण से साफ होता है कि मोदी सरकार ने वित्त वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में सार्वजनिक कर्ज पर कुल 5.5118 ट्रिलियन रुपए ब्याज दिया है। पाकिस्तान के सार्वजनिक ऋण में हर साल जो भारी वृद्धि हो रही है, वह मुख्य रूप से राजकोषीय घाटे के चलते है। इससे पाकिस्तान के दिवालिया होने तक का अंदेशा जाहिर किया जा रहा हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान वर्तमान में अगर अपने सभी सार्वजनिक ऋण चुकाने का फैसला करता है, तब उसकी जीडीपी का दो-तिहाई हिस्सा इसमें चला जाएगा। ये उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 63.67 प्रतिशत है। वर्तमान के बाजार मूल्य पर पाकिस्तान की जीडीपी का मूल्य वर्तमान में 106.045 ट्रिलियन (375 बिलियन डॉलर) है। यह दिखाता है पाकिस्तान ने राजकोषीय उत्तरदायित्व और ऋण सीमा अधिनियम (एफआरडीएलए) का भी उल्लंघन किया है, नियम के तहत सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में ऋण को 60 प्रतिशत से नीचे रखना होता है। अगर बीते 16 साल यानी 2008 के बाद से बात की जाए तब पाकिस्तान का कुल कर्ज ग्यारह गुना बढ़ा है। 2008 में पाकिस्तान पर कुल कर्ज 6.127 ट्रिलियन रुपए था।

पाकिस्तान आर्थिक सर्वेक्षण 2023/24 की रिपोर्ट में बताया गया है कि बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर एक पाकिस्तानी पर 2,79,606 रुपए का कर्ज है। पाकिस्तान पर जून 2018 से मार्च 2024 तक सार्वजनिक कर्ज में नाटकीय तेजी आई है। इस दौरान घरेलू ऋण 16.416 ट्रिलियन रुपए से बढ़कर 43.432 ट्रिलियन रुपए हो गया। वहीं बाहरी ऋण 8.537 ट्रिलियन से बढ़कर 24.093 ट्रिलियन रुपए हो गया। कुल सार्वजनिक ऋण जून 2018 के 24.953 ट्रिलियन रुपए से बढ़कर मार्च 2024 तक 67.525 ट्रिलियन रुपए हो गया।

देश में पारदर्शिता बढ़ाने और निवेशक आधार में विविधता लाने के लिए सरकार ने 1998 के ट्रेजरी बिल नियमों और 2008 के इजारा सुकुक नियमों में संशोधन किया।

माफी मांगने के कुछ दिनों बाद पोप फ्रांसिस ने एक बार फिर समलैंगिकों के बारे में किया अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल

(एजेंसी)। पोप ने समलैंगिक लोगों के खिलाफ एक बार फिर बेहद अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया है, जिसके लिए वह पिछले महीने ही माफी मांग चुके हैं। इतालवी मीडिया ने 20 मई को इतालवी बिशपों के साथ एक बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान पोप को ÷फ्रोसियागिन÷ शब्द के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार ठहराया था, जो एक अशिष्ट इतालवी शब्द है जिसका मोटे तौर पर अनुवाद ÷फगोटनेस÷ के रूप में किया जाता है। एएनएसए के अनुसार, फ्रांसिस ने मंगलवार को रोमन पुजारियों से मुलाकात के दौरान इस शब्द को दोहराया और कहा कि वेटिकन में कट्टरता का माहौल है।

समलैंगिक प्रवृत्ति वाले युवाओं को मदरसे में प्रवेश की अनुमति न दी जाए।

वेटिकन के प्रेस कार्यालय ने पुजारियों के साथ मंगलवार की बैठक के संबंध में जारी एक बयान का संदर्भ दिया, जिसमें पोप ने चर्च में समलैंगिक लोगों का स्वागत करने की आवश्यकता और उनके सेमिनारियन बनने के संबंध में सावधानी बरतने की आवश्यकता दोहराई थी। शब्द के उनके उपयोग की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद, कोरिएरे डेला सेरा अखबार ने कमरे में मौजूद अज्ञात बिशपों के हवाले से सुझाव दिया कि पोप, एक अर्जेंटीना के रूप में शायद यह महसूस नहीं किया होगा कि उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया इतालवी शब्द आक्रामक था।

पारा 44 के पार... हज तीर्थयात्रियों को गर्मी से बचाने की तैयारी

- भारतीय कर सकते हैं हाई-स्पीड ट्रेन से यात्रा

रियाद (एजेंसी)। हज के लिए दुनियाभर से करीब 20 लाख मुसलमान सऊदी अरब पहुंचे हैं। सऊदी ने बड़े पैमाने पर हज के लिए तैयारी की है। इसके बाद भी कई तरह की मुश्किलें आ रही हैं। इसमें भीषण गर्मी से लेकर हज परमिट जैसे कई मामले हैं। यह देखकर सऊदी अरब ने हाजियों के लिए गाइडलाइन जारी की है। सऊदी के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार हज के दौरान सऊदी अरब में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इस साल हज की शुरुआत 14 जून 2024 से होगी। इस दौरान मक्का और मदीना में तापमान सामान्य से 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने वाला है। यह देखकर सऊदी अधिकारियों ने गर्मी को लेकर चेतावनी जारी की है। गर्मी के कारण तीर्थयात्रियों में हीटस्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मामले बढ़ जाते हैं। पिछले साल भी हज के दौरान हजारों तीर्थयात्रियों को गर्मी से संबंधित बीमारियों का सामना करना पड़ा था, यह देखकर सऊदी अधिकारी जोखिम को कम करने के लिए कदम उठा रहे हैं। सऊदी सरकार ने तीर्थयात्रियों, खासकर बुजुर्गों को सहज रखने के लिए वातानुकूलित टेंट की सुविधा दी है। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य अधिकारी हाइड्रेटेड रहने, धूप से बचने वाले कपड़े पहनने और जब भी संभव हो छाया में रहने के महत्व पर जोर दे रहे हैं। सऊदी अधिकारियों की ने इस साल हज पर आए तीर्थयात्रियों के लिए जो सलाह जारी है। इसमें कहा गया है कि बिना प्यास के भी दिन भर खूब पानी पिएं, खुद को धूप से बचाएं, हल्के, हवादार कपड़े और टोपी पहनें, जब भी संभव हो छायादार जगहों पर आराम करें, दिन के समय ज्यादा देर धूप में ना रहें, हीटस्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के लक्षणों के प्रति सचेत रहें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। इसके अलावा सऊदी अरब में भारतीय हज यात्री मक्का तक हाई-स्पीड ट्रेन से भी जा सकते है। इस साल पवित्र हज यात्रा पर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों को सुगम और तेज यात्रा का लाभ मिलेगा। हाजी अब जेद्दा हवाई अड्डे पर उतरकर मक्का तक हाई-स्पीड ट्रेनों में यात्रा कर सकते है।

संपादकीय

अब अदालत से उम्मीद

मेडिकल कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले से संबंधित नीट-यूजी 2024 के परीक्षा का मुद्दा अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है और अदालत ने इस परीक्षा की आयोजक संस्था 'एनटीए' व केंद्र से जवाब-तलब करते हुए जो टिप्पणी की है, उससे इस मामले की गंभीरता समझी जा सकती है। आला अदालत ने दोटूक शब्दों में कहा है कि 'परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है और हमें इसका जवाब चाहिए।' दरअसल, इस प्रवेश-परीक्षा के दिन ही इसके प्रश्न-पत्र के लीक होने के आरोप तेजी से उछले थे, पर तब एनटीए ने तमाम आरोपों को खारिज करते हुए परीक्षा को दोषमुक्त बताया था। मगर जिस तरह से समय से पहले परिणाम घोषित करने और 'ग्रेस मार्क्स' देने का विवाद सामने आया है, उसने इस परीक्षा की शुचिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस परीक्षा की तैयारी में देश के 24 लाख से अधिक नौजवान रात-दिन एक कर रहे थे, जिसमें उनके अभिभावकों का काफी श्रम और संसाधन लगा हुआ था, उसकाआयोजन तो इतना पारदर्शी व दोषरहित होना चाहिए था कि सभी हितधारक उसकी शपथ उठाते। मगर दुर्योग से वे अपने को छला हुआ महसूस कर रहे हैं और अब आखिरी उम्मीद के तहत अदालत की शरण में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा परिणाम के बाद की दाखिला संबंधी प्रक्रिया पर रोक न लगाने का फैसला किया है, तो इसके पीछे यही दृष्टिकोण है कि चयनित विद्यार्थियों के हितों की अनदेखी न हो। इसमें तो कोई दोराय नहीं कि किसी भी कदाचार के लाभार्थी बहुत थोड़े से लोग होते हैं, मगर उससे अहित व्यापक समूह और समाज का होता है। सवाल सिर्फ नीट-यूजी 2024 की परीक्षा का ही नहीं है, एक के बाद दूसरी परीक्षाओं के मामले जिस तरह अदालत में पहुंच रहे हैं, उससे अभ्यर्थियों में निराशा का भाव गहरा सकता है। अभी कितने दिन हुए हैं, जब कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में 23,000 से अधिक शिक्षकों व सहायकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया था? करीब आठ वर्षों की सेवा के बाद अचानक वे सभी सड़क पर आ गए और सुप्रीम कोर्ट से फौरी राहत के बाद अंतिम निर्णय की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। जिस देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी हो, वहां ऐसी अनिश्चितता के कितने घातक परिणाम हो सकते हैं, इस पर सरकारों और सिस्टम को गंभीरता से गौर करने की जरूरत है। राज्यों की प्रवेश परीक्षाओं में धांधली कोई नई परिघटना नहीं है, लेकिन केंद्रीय स्तर की परीक्षाओं में ऐसी शिकायतें न के बराबर रही हैं। यूपीएससी की परीक्षाएं इसकी सबसे बड़ी नजीर हैं। केंद्र को यह सुनिश्चित करने की दरकार है कि नीट-यूजी परीक्षा को लेकर इस बार जैसे विवाद पैदा हुए हैं, उनकी पुनरावृत्ति न हो। तब तो और, जब तमिलनाडु जैसे राज्य नीट परीक्षा से मुक्ति के लिए विधानसभा से विधेयक पारित कर चुके हों। इस तरह के विवाद केंद्रीकृत प्रवेश परीक्षा के सरकार के मनसूबे को पलीता लगा सकते हैं। इन सबसे बढ़कर ये परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए मानसिक यंत्रणा की तरह हैं। एनटीए और सरकार को अपने तईं इस पर त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए थी। आम चुनाव के कारण सरकार इस स्थिति में नहीं थी, मगर तंत्र के आगे तो ऐसी कोई बाध्यता नहीं थी! इसलिए सुनिश्चित किया जाए कि नीट अभ्यर्थी अपनी परीक्षा व्यवस्था से संतुष्ट रहें और उन्हें परीक्षा के बाद अदालतों की खाक न छाननी पड़े!

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

सफल भी एवं सक्षम भी होगी मोदी की तीसरी पारी

(लेखक- ललित गर्ग)

एक और इतिहास रचते हुए नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए। यह देश ही नहीं दुनिया के लिए एक अद्भुत एवं विलक्षण राजनीतिक घटना है, क्योंकि दुनिया में बहुत कम शासनाध्यक्षों को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। मोदी के इस तीसरे कार्यकाल पर देश-दुनिया की नजरें इसलिये भी टिकी हैं कि मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा पिछली गठबंधन सरकारों से अलग होकर भी सशक्त है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को लेकर काम करने वाली इस सरकार में 71 मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के साथ शपथ ली। मोदी के करिश्माई नेतृत्व में पिछले दस साल में देश को विकास के कहीं ज्यादा ऊंचे मुकाम पर खड़े करते हुए दुनिया को चौंकाया है। 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। जीडीपी के आकार के हिसाब से हमने पिछले साल ब्रिटेन को पीछे छोड़ा और 2026 तक जापान तो 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। इन लक्ष्यों की ओर तेजी से कदम बढ़ाना नई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसक साथ ही सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास इस सरकार का ध्येय है।

प्रधानमंत्री मोदी इस बार गठबंधन सरकार का नेतृत्व करते हुए एक नया इतिहास बनायेंगे, उम्मीद की जा रही है कि बिना बाधा एवं गठबंधन की शर्तों के वे देश-विकास के अपने एजेंडे को सफलतापूर्वक एक नई ऊंचाई देंगे। उनकी लोकसभा चुनाव-2024 की उपलब्धि की महत्ता इसलिये भी कम नहीं हो जाती, क्योंकि भाजपा बहुमत से कुछ ही दूर है। चूंकि सहयोगी दल मोदी सरकार को सहयोग और समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और मंत्रियों का चयन सुगम तरीके से हो गया इसलिए यह आशा की जाती है कि मोदी की तीसरी पारी भी सुगमता एवं त्वरित गति से चलेगी। इसका एक कारण यह भी है कि उनके पास व्यापक राजनीतिक अनुभव है और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता तथा समन्वय की राजनीति करने का कौशल भी। गठबंधन दलों को भी समन्वय एवं सौहार्द का वातावरण बनाना होगा, इसी में उनका राजनीतिक हित है। वे विपक्षी दलों के बहकावे में न आये, वरना यहां मोदी एवं शाह के पास अन्य विकल्प हैं जो मोदी सरकार को संकट में नहीं जाने देंगे। मोदी की राजनीतिक यात्रा को देखा जाए तो उन्होंने अनेक ऐसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है जिनकी कल्पना नहीं की जाती थी-पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में।

मोदी के सामने चुनौतियां पूर्ण बहुमत के दौर में भी रही है और अब भी कायम है। इस राह पर दो बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनकी अनदेखी करते हुए आगे बढ़ना मुमकिन नहीं है। ये हैं बेरोजगारी और असमानता। इंटरनैशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट के मुताबिक देश में 80 प्रतिशत बेरोजगार युवा हैं। गरीब मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य भी सामने हैं। पूर्व के दौ कार्यकाल में मोदी ने इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। जहां तक असमानता की बात है तो उसे अक्सर तेज विकास के आगे ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती, लेकिन याद रखने की बात है कि तेज विकास को अगर टिकाऊ बनाना हो तो असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसी मौलिक सोच एवं दृष्टि से मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि मोदी की तीसरी पारी में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। वन नेशन, वन इलेक्शन और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर राजनीतिक मजबूरी की विशेष छाप देखने को मिल सकती है। लेकिन मोदी की कोशिश रहेगी कि वे अपने इन मुद्दों को भी आकार दे सके। इनमें कुछ विलम्ब हो सकता है, लेकिन ये और ऐसे अनेक मुद्दें मोदी की प्राथमिकता बने रहेंगे। पिछले दस वर्षों का मोदी का कार्यकाल यह बताता है कि जहां उन्होंने देश विकास की एक अमिट गाथा लिखी, वहीं वे देश में सबसे सशक्त और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे और विश्व पटल पर अपनी एक गहरी छाप छोड़ते हुए भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। इससे विश्व में भारत का मान बढ़ा और इसे उनके विरोधी भी स्वीकार करते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने न केवल साहसिक फैसले लिए, बल्कि विकास और जनकल्याण के ऐसे कार्य किए जिसने देश की तस्वीर बदली, भारत का विकास हुआ। अब वह विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। चूंकि गठबंधन सरकार के बावजूद कमान प्रधानमंत्री के हाथ में है और उन्होंने यह कहा है कि वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस एजेंडे के प्रति सहयोगी दलों और विशेष रूप से टीडीपी और जेडीयू ने भी अपनी संकल्पबद्धता जताई है इसलिए मोदी की प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी पारी निरंतरता, साहसिकता, दृढ़ता का परिचायक ही होगी। राजनीति की लंबी पारी ने मोदी को दृढ़ता के साथ ही लचीलेपन का भी पाठ पढ़ाया है। कोई कारण नहीं कि राजनीतिक विरोधियों को साथ लेने में दिखाया गया लचीलापन सहयोगियों को बनाए रखने में काम नहीं आएगा। दूसरी बात यह कि चाहे चंद्रबाबू नायडू हों या नीतीश कुमार, दोनों विकास की राजनीति का चेहरा रहे हैं।

मंत्रिमण्डल का गठन करते हुए ऐसा नजर नहीं आया कि भाजपा गठबंधन सहयोगियों के किसी तरह के दबाव में हो। पिछली सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय संभालने वाले भाजपा के सांसद वरिष्ठता क्रम में शपथ लेते नजर आए। मंत्रिमंडल के गठन में गठबंधन के हितों के साथ ही जातीय संतुलन और

महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया। हरियाणा में भले भी पांच सांसद इस बार चुने गए हों, लेकिन इस साल राज्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को कैबिनेट व राव इंद्रजीत सिंह तथा कृष्णपाल सिंह को राज्यमंत्री बनाया गया। वहीं पंजाब से कोई भाजपा सांसद नहीं चुना गया लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। झारखंड में इस साल चुनाव होने हैं तो राज्य को तीन मंत्री दिये गए हैं। मोदी का मंत्रिमण्डल देश विकास के साथ राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुरूप प्रभावी एवं सशक्त एक तीर से अनेक निशाने साधते हुए दिखा।

निश्चित रूप से भाजपा अपने सहयोगी दलों के प्रति उदार एवं समन्वयमूलक रवैये अपनाएगी। राजग की कोशिश है कि गठबंधन को मजबूत करके इस बार सशक्त होकर उभरे विपक्ष का मुकाबला किया जा सके। इतना तय है कि कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन अग्निपथ, समान नागरिक संहिता, बेरोजगारी व महंगाई जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजग सरकार के लिये कड़ी चुनौती पेश करेगा, लेकिन सहयोगी दलों के साथ भाजपा उनका मुकाबला करने के लिये तैयार है। एक सवाल यह भी है कि क्या नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली राजग सरकार सहयोगी दलों की आकांक्षाओं के बीच पिछले दो कार्यकाल की गति से काम कर पाएगी? निश्चित ही मोदी उसी अंदाज एवं दबंगता से अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ायेंगे। मोदी के विजन में जहां 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होगा, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर होगा। मोदी के नये संकल्पों एवं योजनाओं से देश विकास की दशा एवं दिशा स्पष्ट होगी। आदिवासी समुदाय एवं अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से मोदी सरकार मील का पत्थर साबित होगी। साथ-ही-साथ समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। सशक्त होती अर्थव्यवस्था इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाली साबित होगी, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक सरकार के विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी।

सरकार-समाज के साझे प्रयासों से ही समाधान

जल संकट/ प्रेम प्रकाश

चढ़ते पारे के बीच पानी की समस्याओं को लेकर सरकार की नीति और दृष्टि को लेकर कुछ बातें स्पष्ट होनी चाहिए। निन्संदेह, नदी और जल संरक्षण की दिशा में होने वाले प्रयास ज्यादा प्रभावी होने चाहिए। यह अपेक्षा बीते एक दशक में देश में पानी से जुड़ी उपलब्धियों पर सवाल ही नहीं उठाती, बल्कि इससे उम्मीदें और मजबूत होती हैं। आज जो स्थिति है उसमें अब सरकारों के लिए पानी मसला नहीं, बल्कि मिशन होना चाहिए। वैसे भी पानी आज वैश्विक मुद्दा है। बीते कुछ दशकों में जल संरक्षण को लेकर विश्व मानचित्र पर कई मॉडल उभरे हैं। बदलाव के इस सफर के एक छोर पर सिंगापुर जैसा छोटा मुल्क है, तो दूसरे छोर पर भारत जैसी विशाल आबादी और भूगोल वाला देश। बहरहाल, बात पहले सिंगापुर की। दुनियाभर में सैर-सपाटे के लिए सबसे पसंदीदा ठिकाने और बिजनेस डेस्टिनेशन के रूप में सिंगापुर का नाम पूरी दुनिया में है। तीन दशक पहले जब डिजिटलीकरण का जोर बढ़ा तो दुनिया भर की कंपनियों ने अपने उत्पाद को यहीं से तमाम देशों में भेजना और प्रचारित करना सबसे बेहतर माना। लेकिन सिंगापुर की एक दूसरी पहचान भी है, जो ज्यादा प्रेरक है, ज्यादा मौजू है। आने वाले चार दशकों के लिए आज सिंगापुर के पास पानी के प्रबंधन को लेकर ऐसा ब्लूप्रिंट है, जिसमें जल संरक्षण से जल शोधन तक पानी की किफायत और उसके बचाव को लेकर तमाम उपाय शामिल हैं। सिंगापुर की खास बात यह भी है कि उसका जल प्रबंधन शहरी क्षेत्रों के लिए खास तौर पर मुफीद है। गौरतलब है कि सिंगापुर के सामने लंबे समय तक यह सवाल रहा कि एक शहर-राष्ट्र, जिसके पास न तो कोई प्राकृतिक जल इकाई है, न ही पर्याप्त भूजल भंडार है, उसके पास इतनी भूमि भी नहीं कि वह बरसात के पानी का भंडारण कर सके। ऐसे में गंदे पानी के शुद्धीकरण, समुद्री जल का खारापन कम करने और वर्षा जल के अधिकतम संग्रह के साथ सिंगापुर ने पानी से जुड़ी अपनी जरूरतों को पूरा करने का एक ऐसा मॉडल तैयार किया, जो एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के साथ सामाजिक बदलाव की एक बड़ी मिसाल है। सिंगापुर से भारत सीख तो सकता है, पर हमारे देश की आबादी और भूगोल ज्यादा मिश्रित और व्यापक है। लिहाजा पानी को लेकर भारतीय दरकार और सरोकार भी खासे भिन्न हैं। इसे भारतीय राजनीति में प्रकट हुए सकारात्मक बदलाव के साथ सरकारी स्तर पर आई नई योजनागत समझ भी कह सकते हैं कि अब स्वच्छता और घर-घर टोंटी से पानी की पहुंच जैसा मुद्दा साल के एक या दो दिन नारों-पोस्टरों से आगे सरकार की घोषित प्राथमिकता है। यह तार्किक तथ्य है कि यदि हम गंगा को साफ करने में सक्षम हो गए तो यह देश की 40 फीसदी आबादी के लिए एक बड़ी मदद साबित होगी। हम इस दृष्टि से विचार करें कि भारत जैसी भौगोलिक और वैचारिक भिन्नता वाले देश में पानी को लेकर कोई

आम सहमति विकसित करना आसान नहीं है। यह भी कि भारत में पानी राज्य का विषय है। लिहाजा, खासतौर पर नदियों को लेकर किसी यूनिफाइड प्रोजेक्ट पर सहमति के साथ आगे बढ़ना चुनौतीपूर्ण है। देश में सरकारों की योजनागत समझ और प्रतिबद्धता में दिखी कमजोरी ही रही कि आस्था से लेकर अर्थव्यवस्था तक के लिए महत्वपूर्ण नदियों को केंद्र में रखकर दशकों तक कोई बड़ा निर्णायक कदम नहीं उठाया गया। पानी को लेकर काम कर रहे तमाम विभागों को साथ लाकर 2019 में जल शक्ति मंत्रालय के गठन के बाद जल क्षेत्र में हम काफी आगे बढ़े हैं। यह बढ़त गंगा सहित कई नदियों के कायाकल्प से जुड़े प्रयासों से लेकर अमृत सरोवर मिशन तक कई स्तरों पर सफलता के आंकड़ों के रूप में सामने है। नमामि गंगे दस साल की यात्रा पूरा कर रही है। भारतीय वन्यजीव संस्थान की ओर से 2020 से 2023 तक किए गए सर्वे में गंगा और उसकी सहायक 13 नदियों में 3936 डॉल्फिन मिली हैं। यह देश में नदी जल की शुद्धता की बेहतर हुई स्थिति को दर्शाता है। यही नहीं, नमामि गंगे को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा चलाए गए एक ग्लोबल मूवमेंट के तहत टॉप 10 वर्ल्ड रेस्टोरेशन फ्लैगशिप में स्थान दिया गया है। आज देश में 14.85 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण परिवारों तक नल से शुद्ध जल पहुंच रहा है। नोबेल विजेता प्रोफेसर माइकल क्रेमर के एक शोध के मुताबिक सभी ग्रामीण परिवारों तक कवरेज के साथ जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन से बाल मृत्यु दर में सालाना 1.36 करोड़ की कमी आएगी।

साफ है कि पानी के साथ मनमानी के खतरे को समझते हुए देश आज जरूरी जवाबदेही और समझदारी के दौर में हैं। जल संरक्षण को लेकर समाज और सरकार का एक सीध में आगे बढ़ना न सिर्फ कारगर रहा है, बल्कि यह भविष्य के खतरों के लिहाज से भी जरूरी पहल है।

विचार मंथन

युवा सपनों में नहीं, परिणाम के साथ जीना चाहते हैं

(लेखक - सनत जैन)

पिछले 10 साल में युवाओं को बहुत सारे सपने दिखाए गए। पर अफसोस कि ये सपने साकार नहीं हो सके। पिछले वर्षों में सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म्स पर युवा और समाज के सभी वर्गों द्वारा जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है। अपनी लड़ाई को वह स्वयं लड़ने के लिए जो मंच तलाश रहे थे, सोशल मीडिया के रूप में उन्हें मिल गया है। सोशल मीडिया ने समाज के सभी वर्गों को एक नई चेतना से जोड़ दिया है। जहां वह अपनी बात कहकर सकारात्मक परिणाम के लिए रुचि रख रहे हैं। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर विशेष रूप से युवा जिस आक्रामक और वैचारिक ढंग से अपनी बात रख रहे हैं। एक नई सामाजिक वैचारिक क्रांति को आगे बढ़ा रहे हैं। युवाओं के पास सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म के माध्यम से जो शक्ति आई है। उसको एक नई पहचान मिल रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार, कॉरपोरेट, नौकरशाही, अपराधियों और अपराधों को नियंत्रित करने में भी सोशल मीडिया की अहम भूमिका हो गई है। सोशल मीडिया में डिजिटल प्रिंट, वीडियो एवं वॉइस कम्युनिकेशन के माध्यम से नई सामाजिक और वैचारिक क्रांति का असर दिखने लगा है। हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे में जिस तरह से 17 वर्ष के नाबालिग बेटे को महंगी कार उपहार में देने, लाइसेंस न होने के बाद भी गाड़ी चलाने देने, शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए दो युवकों को गाड़ी से कुचल देने के अपराध की लड़ाई संगठित रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से लड़ी गई। अपराध का पर्दाफाश किया गया। अपराधी को बचाने के जो प्रयास किए जा रहे थे। सोशल मीडिया की लड़ाई में अपराधी नाबालिग युवक के साथ-साथ उसके माता-पिता और साक्ष्यों को मिटाने के लिए डॉक्टरों द्वारा जिस तरह का अपराध किया जा रहा था। वह सब सोशल मीडिया के माध्यम के दबाव बनाने के बाद उजागर हुआ है। शासन और प्रशासन को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। राजनीतिक व्यवस्था, ब्यूरोक्रेसी के ऊपर जिस तरह का दबाव सोशल मीडिया के माध्यम से बनाया गया, वह सोशल मीडिया और युवाओं की शक्ति को पहचानने का पर्याप्त कारण बना। जिस तरह से सोशल मीडिया में सबूतों से छेड़छाड़, जालसाजी, अपहरण, धमकी, रिश्वत, परिवारवाद, न्यायपालिका, पुलिस, मेडिकल सेवाओं में जो गिरावट आई है। उसको लेकर जिस तरह की चेतना और लड़ाई सोशल मीडिया में देखने को मिल रही है। वह अपने आप में अनूठी है। विचारों की विविधता भी अब सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर देखने को मिलती है। हर विषय के पक्ष और विपक्ष में लोग अपनी बात तर्क संगत ढंग से रख पा रहे हैं। इसको देखते हुए यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं में न्याय और अधिकार की नई संस्कृति के साथ अधिकारों और कर्तव्यों का बोध हुआ। सही और गलत की पहचान आसान हो गई है। युवाओं को अब ज्यादा समय तक भ्रमित करके नहीं रखा जा सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही का लोकसभा चुनाव है। जिसके परिणाम सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। एक तरह से सोशल मीडिया की चुनौती राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक चैनलों को मिली। जो सामाजिक सरोकारों से दूर होता जा रहा था। उसका स्थान सोशल मीडिया ने ले लिया। सामाजिक परिपक्वता, व्यक्तिगत अधिकार और कर्तव्यों के

साथ भी जोड़ने के लिए मुफीद और सर्व सुलभ माध्यम सोशल मीडिया बन गया है। सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव का असर भी समाज पर पड़ रहा है। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया के एडिक्शन से पीड़ित होकर निष्क्रिय भी हो रही है वहीं सोशल मीडिया में तथ्यों की प्रमाणिकता को लेकर सदैव संदेह देखने को मिलता है, लेकिन जिस तरीके से सोशल मीडिया में विश्वसनीय और प्रामाणिकता के साथ जो बातें सामने आ रही हैं। उसके साथ सोशल मीडिया में भी विश्वसनीयता के साथ जानकारी उपलब्ध होना सुखद है।

शिल्प और चित्रकलाओं से अटी पड़ी है अजन्ता की गुफाएं

बारिश के दौरान जाएं मालशेज घाट हिल स्टेशन

अगर आप अगस्त और सितंबर माह में घूमने-फिरने का मूड बना रहे हैं तो महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित मालशेज घाट का रुख कर सकते हैं। मालशेज घाट को आप एक पहाड़ी दर्रे की तरह मान सकते हैं जो कि पश्चिमी घाट श्रृंखला की ऊंची और उबड़-खाबड़ पहाड़ियों में स्थित है।

पहाड़ियों से घिरी इस जगह पर अगर आप अगस्त और सितंबर माह के दौरान आते हैं तो समझिए कि यहां आपके पूरे पैसे वसूल हो जाएंगे। इस दौरान यहां के हरे-हरे पुदीने की छाया में लिपटे पहाड़ और मानसून की ठंडक का अहसास आपके आनंद को कई गुना बड़ा देगा। मानसून के चलते यहां के झरनों की सुंदरता और हरियाली इतनी बढ़ जाती है कि पर्यटकों की नजरें उन्हें निहारती ही रहती हैं। इस समय यहां आपको सैकड़ों तरह के फ्लोरा और फौना भी दिखेंगे। बारिश के सीजन में पुणेवासियों के लिए तो ये सबसे पसंदीदा जगह होती है।

बारिश के दिनों में यहां का मौसम इतना निराला होता है कि प्रवासी पक्षी फ्लेमिंगो इस जगह पर सुदूर स्थलों से अपना डेरा डालने के लिए आते हैं।

कैसे पहुंचें मालशेज घाट

नजदीकी एयरपोर्ट मुंबई 154 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप रेल के जरिए मालशेज आना चाहते हैं तो कल्याण पहुंच सकते हैं। कल्याण से मालशेज के लिए राज्य परिवहन की बसें चलती हैं। इस तरह की बसें करजाट और पुणे से ली जा सकती हैं।

प्रमुख स्थलों से दूरी

मुंबई से मुरबाद होते हुए मालशेज घाट की दूरी 154 किलोमीटर है। पुणे से आलेफाटा होते हुए मालशेज घाट की दूरी 164 किलोमीटर है। जबकि आलेफाटा से मालशेज घाट की दूरी महज 39 किलोमीटर है।

कहां ठहरें

यदि संभव हो तो मालशेज घाट आने से पहले ही ठहरने की व्यवस्था कर लें। खासकर अगर आप जुलाई-अगस्त के मानसून सीजन में यहां आ रहे हैं तो पहले से ही बुकिंग करा लें क्योंकि ज्यादातर होटलों के कमरे इस दौरान बुक हो जाते हैं। महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम का 'फ्लेमिंगो हिल्स' यहां का सबसे बड़ा रिसोर्ट है। इसके आसपास का नजारा भी आखों को सुकून देने वाला है और यहां खाने की भी वेराइटी मिलती है।

अगर किसी होटल या रिसॉर्ट में कोई रूम खाली नहीं मिलता है तो यहां से छह किलोमीटर दूर स्थित मध गांव का भी रुख किया जा सकता है।

दर्शनीय स्थल

मालशेज घाट से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित शिवनेरी किला स्थित है। इस किले में शिवाजी का जन्म हुआ था।

मालशेज घाट पर कुछ लोग आपको ट्रैकिंग करते भी दिख जाएंगे। पहाड़ से जंगल और वादियों का बेहद रमणीय नजारा दिखता है। यहां आसपास कई झरने गिरते दिखेंगे। यहां की हरियाली मानसून के दौरान बेहतरीन नजारा प्रस्तुत करती हैं।

शिल्प कला का बेजोड़ नमूना है एलोरा

महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित हैं विश्वप्रसिद्ध एलोरा की गुफाएं। ये गुफाएं भारतीय शिल्प कला का बेजोड़ नमूना हैं।

करीब 1400 साल पुराने एलोरा की गुफाओं को वर्ल्ड हेरिटेज के रूप में संरक्षित किया जा रहा है ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी भी भारतीय कला की इस उत्कृष्ट कृति को देख सके।

औरंगाबाद से 30 किलोमीटर दूर स्थित एलोरा की गुफाओं में 34 गुफाएं शामिल हैं। ये गुफाएँ बेसाल्टिक की पहाड़ी के किनारे बनी हुई हैं। इन गुफाओं में हिंदू, जैन और बौद्ध तीन धर्मों के प्रति आस्था के त्रिवेणी संगम का प्रभाव देखने को मिलता है।

यदि आप भी दुनिया घुमने के शौकीन हैं तथा कलाप्रेमी हैं तो एलोरा आपके लिए एक अच्छा पर्यटनस्थल है। यहां की गुफाओं में की गई नायाब चित्रकारी व मूर्तिकला अपने आप में अद्भुत हैं। इसके साथ ही यहां की गुफाएं धार्मिक सद्भाव की अनूठी मिसाल हैं।

एलोरा की गुफाओं में स्थित है कैलाश मंदिर, जो दुनिया भर में एक ही पत्थर की शिला से बनी हुई सबसे बड़ी मूर्ति है। इस विशालकाय मंदिर को तैयार करने में करीब 150 साल लगे और करीब 7000 मजदूरों ने लगातार इस पर काम किया।

क्या देखें

एलोरा उत्सव

प्रत्येक वर्ष ठंड के मौसम में महाराष्ट्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन एलोरा महोत्सव का आयोजन करती है। पहले कैलाश मंदिर का इस्तेमाल एलोरा महोत्सव के लिए किया जाता था। लेकिन अब औरंगाबाद में ही स्थित खूबसूरत सोनेरी महल में एलोरा महोत्सव को मनाया जाता है। सोनेरी महल डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर मराठावाड़ा विश्वविद्यालय में स्थित है। इस महोत्सव में नृत्य और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

महाराष्ट्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इस महोत्सव के लिए देशभर से नृत्य और संगीत की दुनिया के मशहूर कलाकारों को आमंत्रित करती है। इस उत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध विरासत भारतीय नृत्य व संगीत कला को उजागर करना है। इस उत्सव में शास्त्रीय और लोक नृत्य और संगीत का आयोजन होता है, जिसे भारत के मशहूर कलाकार प्रस्तुत करते हैं।

अजंता

अगर आप एलोरा जाते हैं तो अजंता की गुफाओं को देखना ना भूलें। यहां बौद्ध धर्म से जुड़ी शिल्पकलाओं और चित्रकलाओं से अटी पड़ी गुफाएं हैं। ये मानवीय इतिहास में कला के उत्कृष्ट अनमोल समय को दर्शाती है।

कैसे पहुंचे एलोरा

औरंगाबाद से एलोरा की दूरी 30 किलोमीटर है। मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, नासिक, इंदौर, धूले, जलगांव, शिरडी आदि शहरों से औरंगाबाद के लिए बस सुविधा उपलब्ध है। सोमवार का दिन छोड़कर आप कभी भी एलोरा जा सकते हैं। औरंगाबाद रेलवे स्टेशन से दिल्ली व मुंबई के लिए ट्रेन सुविधा भी आसानी से मिल जाती है।

कहां ठहरें

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन के पास महाराष्ट्र पर्यटन विभाग का होटल है। इसके अलावा आप शिरडी या नासिक में भी रात्रि विश्राम कर सकते हैं।

बारिश में देखें अंबोली हिल स्टेशन की खूबसूरती

बारिश की फुहारों का मजा अगर किसी हिल स्टेशन पर लिया जाए, तो ये अनुभव जिंदगी में कभी भुलाए नहीं भूलता। कुछ ऐसा ही एहसास दिलाने वाली जगह है अंबोली। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले की सहयाद्री पहाड़ियों की दक्षिणी श्रृंखला में स्थित ये गुमनाम सा हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत है। यहां कई ऐसे जगह हैं जहां से हरे-भरे पर्वत और उपजाऊ धरती के मनोरम दृश्य का भरपूर आनंद लिया जा सकता है। अंबोली फैमिली छुट्टियों के लिए परफेक्ट वीकेंड डेस्टिनेशन है।

कैसे पहुंचें अंबोली

इस हिल स्टेशन से महज 28 किलोमीटर की दूरी पर सावंतवादी रेलवे स्टेशन है। अगर आप हवाई यात्रा करके आ रहे हैं तो यहां का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट बेलगाम है जो कि यहां से 64 किलोमीटर दूर है। यहां पर आने के बाद आप आगे की यात्रा के लिए श्री व्हीलर रिक्शा या टैक्सी ले सकते हैं जो कि आपको बस स्टैंड के पास से ही मिल जाएगी। राज्य परिवहन की बसें वेंगुरला, सावंतवादी, रत्नागिरी और बेलगाम से रोज अंबोली के लिए चलती हैं।

प्रमुख स्थलों से दूरी

मुंबई से अंबोली की दूरी 549 किलोमीटर है। तो पुणे से यह हिल स्टेशन 390 किलोमीटर दूर स्थित है।

कहां ठहरें

अंबोली में कुछ अच्छे और सस्ते होटल हैं। इनमें होटल व्हिसलिंग वूड्स, साइलेंट वैली रिसॉर्ट शांति दर्शन और होटल शिव मल्हार प्रमुख हैं। इनके साथ ही महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के रिसॉर्ट भी यहां मौजूद हैं। लगभग सभी में रेस्टोरेंट, रूम सर्विस और कैब सर्विस मौजूद हैं।

दर्शनीय स्थल

अंबोली गांव में स्थित प्राचीन शिव मंदिर, जिसे हिरन्याकेशी भी कहा जाता है, से एक जल की धारा निकलकर कृष्णा नदी में मिलती है। ये शिव मंदिर एक गुफा में हैं और यहीं से ये धारा निकलती है। ऐसा माना जाता है कि यहां करीब 108 शिव मंदिर है लेकिन इनमें से अभी तक कुछ ही उजागर हो पाए हैं।

हिरन्याकेशी के अलावा यहां नागत्ता जलप्रपात, महादेवगढ़ और नारायणगढ़ भी जरूर देखें। यहां आप पिकनिक का मजा भी उठा सकते हैं। घने जंगलों और गहरी घाटियों के बीच से कोंकण तट का नजारा भी बहुत संदर देखता है। इस हिल स्टेशन से 10 किलोमीटर की दूरी पर आप बाक्साइट की खान भी देख सकते है। अगर आप मछली पकड़ने के शौकीन हैं तो हिरन्याकेशी में आप घंटों इसका मजा ले सकते हैं।

आप यहां माधवगढ़ किले के अवशेष देख सकते हैं। यहां की मुख्य सड़क पर एक युद्ध स्मारक भी अवस्थित है। इसके अलावा आप सनसेट पॉइंट, परीक्षित पॉइंट, शिरगांवकर पॉइंट का भी लुत्फ ले सकते हैं। मानसून सीजन में यहां होने वाली अच्छी बारिश से यहां मौजूद झरने और धुंध से यहां की प्राकृतिक छटा की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है। बारिश का मजा और कुछ दिनों के एकांत के लिए अंबोली एक शानदार सैरगाह है।

महाराष्ट्र दर्शन में लें डेक्कन ओडिसी में सफर का मजा

रेलवे ने पैलेस ऑन व्हील्स की तर्ज पर बनाई गई डेक्कन ओडिसी ट्रेन। इसका सुकून भरा सफर आपकी महाराष्ट्र यात्रा का मजा दुगना कर देगा। ये ट्रेन मुंबई से चलकर रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, गोवा, बेलगाम, कोल्हापुर, पुणे, नासिक, औरंगाबाद, अजंता-एलोरा और फिर वापस मुंबई लौटती है।

वैसे तो महाराष्ट्र की सैर करने के लिए आपको कई ट्रेनें मिल जाएंगी लेकिन डेक्कन ओडिसी की बात कुछ अलग है। ये ट्रेन महाराष्ट्र में पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण सभी क्षेत्र कवर करती है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से चलकर ये ट्रेन रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, गोवा, बेलगाम, कोल्हापुर, पुणे, नासिक, औरंगाबाद, अजंता-एलोरा और फिर वापस मुंबई लौटती है।

डेक्कन ओडिसी दरअसल एक सुपर डीलक्स लग्जरी ट्रेन है जिसे महाराष्ट्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड भारत सरकार के रेल मंत्रालय के साथ मिलकर चलाता है। सुख-सुविधाओं के मामले में इस ट्रेन का देश में वही स्थान है जो कि साउथ अफ्रीका में ब्लू ट्रेन और यूरोप में ओरिएंट एक्सप्रेस का है। इस ट्रेन का शानदार इंटीरियर, स्वादिष्ट भोजन और इसकी बेहतरीन साइट्स आपके सफर को यादगार बना देगी। 21 कोचों वाली इस ट्रेन में 12 यात्री कोच हैं। यहां आपको स्पा और बार तक का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा। इसके अलावा ट्रेन में टीवी, केबल कनेक्शन, सेल फोन, चैनल म्यूजिक और फॉरेन एक्रेंज जैसी कई सहूलियतें भी मिलेंगी।

सात दिनों में महाराष्ट्र दर्शन कराने वाली इस ट्रेन का सफर सप्ताह में बुधवार के दिन मुंबई से शुरू होता है। सफर के दूसरे दिन ये ट्रेन सिंधुदुर्ग नगरी पहुंचती है। यहां आपको सिंधुदुर्ग का प्रसिद्ध किला, तरकार्ल बीच, धमपुर गांव देखने का मौका मिलेगा। तीसरे दिन यह ट्रेन गोवा पहुंचेगी। यहां आप सेंट ऑगस्टिन चर्च जैसे तमाम मशहूर चर्च और अन्य म्यूजियम देख सकते हैं। चौथे दिन ट्रेन आपको गोवा (वास्को) की सैर कराएगी। यहां आप प्रसिद्ध हिंदू मंदिर मंगेशी, साफा मस्जिद, सहकारी स्पाइस फार्म और चंदोर गांव में स्थित मेनेजेज़ ब्रिगेंज़ा हाउस का मजा सकते हैं। इसके बाद ट्रेन का सफर आपके लिए और भी रोमांच भरा होता जाएगा। यात्रा के पांचवें दिन ट्रेन कोल्हापुर पहुंचेगी और यहां आप दर्शन करेंगे प्रसिद्ध महालक्ष्मी मंदिर के। इसके अलावा यहां आपको न्यू पैलेस, म्यूजियम निहारने का मौका भी मिलेगा।

यात्रा के छठे और सातवें दिन आपकी आंखों को वो अनुभव प्राप्त होगा, जिसे आप ताउम्र नहीं भूलेंगे। छठे दिन आपको औरंगाबाद-दौलताबाद में एलोरा की गुफाएं व बिबी का मकबरा देखने का मौका मिलेगा। सातवें दिन विश्व प्रसिद्ध अंजता की गुफाओं में जाने का अवसर मिलेगा। इस दिन आप नासिक भी घूमेंगे। महाराष्ट्र के इन सभी बेहतरीन स्थानों के दर्शन कराने के बाद ये ट्रेन आठवें दिन वापस मुंबई लौट आती है।

पेट्रोल, डीजल जीएसटी के दायरे में आया तो कम होंगी कीमतें

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल की कीमतें कम हो सकती है। ऐसा इसके जीएसटी के दायरे में आने के कारण होने की संभावना है। अभी ये दोनो ही इस दायरे से बाहर हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के पेट्रोलियम मंत्री बनने के बाद से ही ईंधन की कीमतें घटने की संभावनाएं जतायी जा रही हैं। इसका कारण है कि सरकार पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक वस्तुओं को जीएसटी (जीएसटी) के दायरे में ला सकती है। अगर ऐसा हुआ तो ईंधन की कीमतें घटना तय है। पिछले कार्यकाल में भी पुरी ने कहा था कि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के प्रयास हो रहे हैं। जोर दिया है. यहां तक कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी पिछले साल नवंबर में कहा था कि इसे लागू करने से लोगों को फायदा होगा. साथ ही कहा कि इसे जीएसटी के तहत लाने के लिए राज्यों से भी बात करन होगी क्योंकि उसे इसी से सबसे अधिक राजस्व मिलता है। वहीं अगर पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा टैक्स सिस्टम को खत्म कर जीएसटी लागू किया गया तो इनकी कीमतें काफी कम हो सकती हैं। अभी पेट्रोल की खुदरा कीमत में लगभग 55 फीसदी हिस्सा केंद्र और राज्य के करों का हिस्सा है। मौजूदा समय में जीएसटी में करों को चार स्लैब - 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बांटा गया है। ऐसे में अगर 28 फीसद वाले सबसे महंगे स्लैब में ईंधन को रखा गया तब भी पेट्रोल की कीमतें मौजूदा रेट से काफी कीम हो जाएगी।

घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री मई में 4 प्रतिशत बढ़ी : सियाम

नई दिल्ली । देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 3,47,492 इकाई तक पहुंच गई। उद्योग संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मई 2023 में थोक बिक्री कुल 3,34,537 इकाई रही थी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, ''यात्री वाहनों में केवल मध्यम वृद्धि देखी गई है, जिसका मुख्य कारण पिछले वर्ष का उच्च आधार प्रभाव है। मई में दोपहिया वाहनों की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 16,20,084 इकाई हो गई, जबकि मई 2023 में यह 14,71,550 इकाई थी। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 55,763 इकाई हो गई, जबकि मई 2023 में यह 48,610 इकाई थी।

वोडाफोन आइडिया के शेयरों में तेजी.....जानकार जता रहे भरोसा

मुंबई । वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) के शेयर बुधवार को इंट्रा डे ट्रेड के दौरान 3 प्रतिशत बढ़कर 16.70 रुपये पर पहुंच गए, जो पिछले तीन महीनों का शीर्ष है। ऐसी उम्मीदें हैं कि इससे कंपनी की आय में सुधार होगा। स्टॉक का यह स्तर 27 फरवरी, 2024 के बाद सबसे ऊंचा रहा। कंपनी ने 1 जनवरी, 2024 को 52-सप्ताह का हाई लेवल-18.42 रुपये दर्ज किया था। पिछले छह कारोबारी दिनों में वोडाफोन आइडिया के शेयरों 26 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पिछले दो कारोबारी दिनों में, कंपनी के शेयरों में 6 फीसदी का इजाफा हुआ। इसकी वजह यह है कि टेलीकॉम के बोर्ड ने 13 जून, 2024 को होने वाली बैठक में इक्विटी शेयरों और/या वेंडर्स को प्रेफेरेंशियल बेसिस पर नॉन कनवर्टिबल सिक्योरिटीज के इश्यू जारी करने को लेकर विचार करने की योजना बनाई है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय टेलीकॉम सेक्टर को वित्तीय साल 25 और वित्तीय साल 26 में काफी ज्यादा टैरिफ में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है, जो बेहतर सब्सक्राइबर मिक्स के साथ वोडाफोन आइडिया सहित सभी कंपनियों के प्रति यूजर इवरेज रेवेन्यू (एआरपीयू) में सुधार करने में मदद करेगा। पिछले सप्ताह, रेटिंग एजेंसी ने वोडाफोन आइडिया की लॉन्ग टर्म बैंक फैसिलिटीज और शॉर्ट टर्म बैंक फैसिलिटीड को 'स्थिर' आउटलुक के साथ रेट किया था। इसका मतलब है कि वोडा आइडिया को 4जी नेटवर्क को मजबूत करने और अपने कस्टमर बेस को बढ़ाने के लिए उजी रोलआउट में सहायता प्रदान करने के लिए लॉन्ग टर्म डेट फंड, और मार्केट व प्रमोटरों से जुटाई गई इक्विटी के समय पर मिलने की उम्मीद है। इसकी वजह से रेवेन्यू में सुधार होगा और ऑपरेशन प्रॉफिटेबिलिटी में इजाफा होगा।

सैमसंग ने लांच की 2024 क्यूएलईडी प्रीमियम टीवी सीरीज

-भारत में है 65,990 रुपये की शुरुआती कीमत

नई दिल्ली ।

साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग ने भारत में 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज लॉन्च की। इस टीवी की शुरुआती कीमत 65,990 रुपये की है। 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी लाइन-अप देर सारे प्रीमियम फीचर्स के साथ आता है। सैमसंग इंडिया के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मोहनदीप सिंह ने कहा, पिछले कुछ सालों में कॉन्टेंट की खपत में तेजी से बदलाव आया है। यूजर्स ज्यादा शानदार और प्रीमियम व्यूइंग एक्सपीरियंस की मांग कर रहे हैं। इस मांग को पूरा करने के लिए हमने 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज लॉन्च की है, जो प्रीमियम और बेहतरीन व्यूइंग एक्सपीरियंस की दुनिया में एक नया कदम है। 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज़ क्वॉन्टम प्रोसेसर लाइट 4के दिया गया है। यह एक शक्तिशाली प्रोसेसर है जो विजुअल और ऑडियो पोजीशन को जरूरत के मुताबिक सेट करता है। यूजर्स चाहे जो भी कंटेंट देख रहे हों, उसका रिजॉल्यूशन कुछ भी हो, अल्टीमेट 4के अपस्केलिंग फीचर बेहतरीन विजुअल प्रदान करता है। यूजर इस पर रियल पिक्चर क्वालिटी का आनंद ले सकते हैं कि टीवी अपने आप लगभग-4के लेवल में अपग्रेड हो जाता है। किसी कॉन्टेंट के देखने और सुनने के अनुभव को शानदार बनाने के लिए 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज, क्यू-सिंफनी, ओटीएस लाइट और अडेप्टिव साउंड फीचर्स से लैस है, जिससे यूजर्स ऑन-स्क्रीन मूवमेंट को ऐसे महसूस कर सकते हैं जैसे कि वह वास्तविक हो। इसके अलावा सैमसंग की टीवी प्लस सेवा भी शामिल है जिसमें 100 से ज्यादा मुफ्त चैनल शामिल हैं। सैमसंग दुनिया को प्रेरित करते हुए बदलाव लाने वाले विचारों और तकनीकों के साथ भविष्य को आकार देता है। टीवी तीन साइज - 55 इंच, 65 इंच और 75 इंच में आएगा। यह सैमसंग डॉट कॉम और अमेजन डॉन इन पर उपलब्ध है।

अडानी ग्रुप की कंपनियों में रिकवरी से मालामाल हो रहे गौतम अडानी

मुंबई । अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में रिकवरी से समूह के मालिक गौतम अडानी की नेटवर्थ में इजाफा हो रहा है। साथ ही दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में फिर आगे बढ़ रहे अडानी है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, गौतम अडानी की नेटवर्थ में 198 मिलियन डॉलर यानी 1653 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इससे उनकी नेटवर्थ 107 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। गौतम अडानी की नेटवर्थ में इस साल अब तक 22.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। नेटवर्थ में आए उछाल से गौतम अडानी दुनिया के 13वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। गौतम से आगे 12वें स्थान पर स्थित मिशेल डेल की नेटवर्थ भी 107 अरब डॉलर ही है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में गिरावट दर्ज की गई। मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 161 मिलियन डॉलर यानी 1344 करोड़ रुपए की गिरावट आई है। इससे मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 112 अरब डॉलर रह गई है। मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में इस साल अब तक 15.7 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका है। वे इस समय दुनिया के 11वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

इंडोनेशिया और तंजानिया से आयात कम करने मोदी सरकार ने उठाए कदम

नई दिल्ली । मोदी सरकार ने रत्नों से जड़े हुए कुछ खास तरह के सोने के आभूषणों के आयात पर प्रतिबंध लगाया है। इस फैसले का उद्देश्य इंडोनेशिया और तंजानिया से आयात को कम करना है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के अनुसार, भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मुक्त शुल्क समझौते के तहत इन सोने के आभूषणों के आयात की अनुमति अभी भी रहेगी। वैध शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के तहत बिना प्राधिकरण के इन वस्तुओं के आयात की अनुमति होगी। डीजीएफटी की अधिसूचना में कहा गया है कि मोती, कुछ हीरे और अन्य कीमती और मध्यम कीमती रत्नों से जड़े सोने के आभूषणों के लिए आयात नीति में संशोधन किया गया है। नीति की स्थिति तत्काल प्रभाव से मुक्त से प्रतिबंधित में बदल गई है। इस श्रेणी के तहत ज्वैलरी के आयात के लिए सरकारी अनुमति या लाइसेंस की आवश्यकता होती है। एक उद्योग विशेषज्ञ ने इंडोनेशिया और तंजानिया से इन वस्तुओं के आयात में वृद्धि का उल्लेख किया। भारत का इंडोनेशिया के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मजबूत घरेलू मांग के कारण वित्त वर्ष 2023-24 में सोने का आयात 30 प्रतिशत बढ़कर 45.54 अरब डॉलर रहा। पिछले वित्त वर्ष में सोने का आयात 35 अरब डॉलर था। हालांकि, इस साल मार्च में कीमती धातु का आयात 53.56 प्रतिशत घटकर 1.53 अरब डॉलर रह गया। भारत के लिए सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत स्विटजरलैंड है, जिसकी हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। इसके बाद यूएई की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 149 , निफ्टी भी 58 अंक उछला

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 149.98 अंक करीब 0.20 फीसदी ऊपर आकर 76,606.57 अंक पर बंद हुआ। इसमें आज 76,533.78 और 77,050.53 के बीच कारोबार हुआ।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,295.95 और 23,441.95 के बीच रहा। अंत में ये 58.10 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी बढ़कर 23,322.95 अंक पर बंद हुआ जबकि गत कारोबारी सत्र में बाजार सपाट बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी ऊपर आया। बीएसई सेंसेक्स 206 अंक उछलकर 76,663 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 0.34 फीसदी की बढ़त लेकी 23,344 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक, टीसीएस और पावरग्रिड के शेयर ऊपर आये जबकि भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी में बीपीसीएल, विप्रो और एलटीआई माइंडट्री के शेयर सबसे अधिक उछले जबकि एनटीपीसी, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और टाइटन के शेयर गिरे। वहीं मिडकैप सूचकांक 0.49 और स्मॉलकैप सूचकांक 0.62 फीसदी बढ़ा। गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स में धीमी शुरुआत रही। गिफ्ट निफ्टी 50 फ्यूचर्स से 2 अंक अधिक 23,311 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं एशिया-प्रशांत के बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। अब निवेशकों की नजरें अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर आने वाले फैसले पर लगीं हैं। वहीं घरेलू बाजार में निवेशकों की नजरें मई माह के सीपीआई-आधारित महंगाई के आंकड़ों पर टिकी हैं। देश की मुद्रास्फीति दर में हल्की वृद्धि होकर 4.89 फीसदी रहने की उम्मीद है। यह अनुमान अप्रैल के 4.83 फीसदी की बढ़ोतरी से थोड़ा अधिक है। एशियाई बाजार में, जापान का निक्केई 225 0.79 फीसदी अधिक गिरा, जबकि व्यापक टॉपिक्स सूचकांक 0.63 फीसदी नीचे आया। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.35 फीसदी ऊपर रहा जबकि स्मॉल-कैप कोस्डेक इंडेक्स 0.37 फीसदी ऊपर आया।

भारत दुनिया में सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा

वर्ल्ड बैंक ने कहा-तीन साल में 6.7 फीसदी की विकास दर से आगे बढ़ेगा

नई दिल्ली। वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि भारत अगले तीन साल में 6.7 फीसदी की विकास दर से आगे बढ़ेगा। मजबूत घरेलू मांग, निवेश में उछाल और सर्विसेज सेक्टर के चलते भारत दुनिया में सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। एक रिपोर्ट में वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में भारत के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को 6.6 फीसदी पर रखा है। इसने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा। हालांकि इसके विस्तार की गति थोड़ी धीमी रह सकती है। वित्त वर्ष 2023-24 में अच्छी विकास दर के बाद, वित्त वर्ष 2024-25 से अगले तीन वित्तीय वर्षों के लिए औसतन 6.7 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है। वित्त वर्ष 2026 और 2027 के लिए वर्ल्ड बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के क्रमशः 6.7 फीसदी और 6.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि उत्पादन में सुधार और मुद्रास्फीति में गिरावट से निजी खपत की बढ़ोतरी को लाभ मिल सकता है। चालू व्यय को कम करने के सरकार के लक्ष्य के खपत धीमी रह सकती है। इससे पहले आईएमएफ ने 2024-25 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया था।

चालू वित्तीय वर्ष के दो माह में 2 बिलियन से अधिक आईफोन का निर्यात

मुंबई ।

एप्पल ने भारत से आईफोन के निर्यात पर जोर दिया है। चालू वित्तीय वर्ष के पहले दो महीनों में निर्यात मूल्य 2 बिलियन से अधिक हो गया है। यह देश के कुल आईफोन उत्पादन (2.6 बिलियन) का 81 प्रतिशत है। मई में, एप्पल ने अप्रैल के समान प्रदर्शन दोहराते हुए फिर से 1 बिलियन से अधिक के आईफोन का निर्यात किया। आईफोन प्रवक्ता ने इस विषय पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। वित्तीय वर्ष 2025 में तीन एप्पल विक्रेताओं के उत्पादन लिंकड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत उत्पादन मूल्य 10.2 बिलियन (निर्यात सहित) तक पहुंचने का लक्ष्य है। उन्होंने केवल दो महीनों में उस लक्ष्य का 25 प्रतिशत हासिल कर लिया है। अब तक वित्तीय साल 25 में, एप्पल के प्रमुख विक्रेता फोक्सकौन ने कुल निर्यात का 65 प्रतिशत योगदान दिया है, विस्ट्रोन ने 24 प्रतिशत, और शेष 11 प्रतिशत पेगस्ट्रोन से आया है। सभी तीन एप्पल विक्रेता स्मार्टफोन पीएलआई योजना में भागीदार हैं, और अभी पांच साल की योजना के चौथे वर्ष में प्रवेश कर लिया है। यह उछाल भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन और निर्यात क्षमताओं में सुधार का संकेत देता है, जो वैश्विक बाजार में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात, जिसमें मुख्य रूप से मोबाइल फोन शामिल हैं, वित्तीय साल 23 में छठे स्थान (निर्यात मूल्य 23.6 बिलियन) से वित्तीय साल 24 में पांचवें स्थान (निर्यात मूल्य 29.1 बिलियन) पर पहुँच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 23 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्तीय साल24 में, आइफोन निर्यात ने भारत के कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का 35 प्रतिशत और कुल मोबाइल फोन निर्यात का 65 प्रतिशत हिस्सा बनाया। एप्पल ने पिछले तीन वर्षों में भारत से अपने उत्पादन और निर्यात में लगातार वृद्धि की है, अप्रैल और मई के गैर-पीक समय में हर महीने 1 बिलियन से अधिक के निर्यात को पार किया है। आमतौर पर, एप्पल का भारत बिक्री के लिए उत्पादन जुलाई और अक्टूबर के बीच त्यौहारों के मौसम से पहले चरम पर होता है, और नया आईफोन मॉडल आमतौर पर सितंबर में देश में लॉन्च किया जाता है।

इसका निर्यात अक्टूबर से दिसंबर के बीच चरम पर होता है, क्योंकि भारतीय फैक्ट्रियां ब्लैक फ्राइडे, थैंक्सगिविंग, और क्रिसमस और नववर्ष की छुट्टियों के दौरान पश्चिमी बाजारों के लिए आईफोन की सप्लाई के लिए तैयार हो जाती हैं।

सेबी ने चैनल एंकर सहित सात अन्य लोगों पर ठोका जुर्माना

पांच साल के लिए प्रतिबंधित किया

मुंबई ।

बाजार रेगुलेटरी सेबी ने एक टेलीविजन चैनल पर शेयर बाजार पर केंद्रित कार्यक्रम पेश करने वाले प्रदीप पंड्या और सात अन्य लोगों एवं फर्मों को प्रतिभूति बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित किया। इसके अलावा धोखाधड़ी वाली कारोबारी गतिविधियों में लिप्त होने के लिए इन पर सामूहिक रूप से 2.6 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पूर्व टीवी एंकर पंड्या के अलावा अल्पेश फुरिया, मनीष फुरिया, अल्पा फुरिया, अल्पेश वासंजी फुरिया एचयूएफ, मनीष वी फुरिया एचयूएफ, महान इन्वेस्टमेंट और तोशी ट्रेड के खिलाफ प्रतिबंध लगाए हैं। सेबी ने अपने आदेश में कहा, 'प्रदीप पंड्या ने न्यूज चैनल के लिए एंकर के रूप में काम करते हुए अल्पेश फुरिया के साथ आगामी स्टॉक अनुशंसाओं के बारे में गोपनीय जानकारी साझा की और अल्पेश ने विशिष्ट सूचना का फायदा उठाकर अपने खातों और संबंधित संस्थाओं के जरिये शेयरों का कारोबार किया। नियामक ने कहा कि फुरिया ने वेतन वृद्धि के बदले में ये सुझाव ओपू फुनिकांत नाग के साथ भी साझा किए। सेबी के मुताबिक, यह आचरण न केवल भेदिया सूचना का लाभ उठाने के स्पष्ट इरादे को दर्शाता है, बल्कि निजी लाभ के लिए सूचना विषमता का फायदा उठाने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण को भी दर्शाता है।

क्या है पूरा मामला

दिसंबर, 2020 में, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने रिपोर्ट में अल्पेश फुरिया और संबंधित संस्थाओं की व्यापारिक गतिविधियों का विश्लेषण किया था। इसके बाद, सेबी ने नवंबर, 2020 और जनवरी, 2021 के बीच इस मामले में आगे का विश्लेषण किया था। नियामक ने पंड्या और अल्पेश फुरिया के कॉल डेटा रिकॉर्ड के विश्लेषण में यह पाया कि पंड्या को सिफारिशों से संबंधित जानकारी तक अग्रिम पहुंच हासिल करने की विशिष्ट स्थिति थी। पंड्या ने अल्पेश फुरिया और संबंधित संस्थाओं को जानकारी दी। सेबी ने पंड्या, अल्पेश फुरिया और अन्य छह संस्थाओं को प्रतिभूति बाजार में प्रवेश करने से रोक दिया है। इसके साथ उन पर प्रतिभूतियों की खरीद, बिक्री या अन्यथा लेनदेन, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से या किसी भी तरह से प्रतिभूति बाजार से जुड़े होने पर पांच साल के लिए रोक लगा दी है।

नियामक ने पंड्या और अल्पेश पर एक-एक करोड़ रुपए और शेष छह इकाइयों पर 10-10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

अब इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों में लगेगा ज्यादा से ज्यादा देसी सामान

सरकार का 35 से 40 फीसदी मूल्यवर्द्धन स्थानीय तौर पर करने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जों के लिए प्रस्तावित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में । देश में इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ऐसा किया जा रहा है। अप्रैल 2020 में शुरू किए गए इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (स्पेक्स) पीएलआई के लिए 18 से 20 फीसदी मूल्यवर्द्धन को अब दोगुना किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार योजना शुरू होने के बाद उत्पादों का मूल्यवर्द्धन बढ़ेगा, जिससे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में दूसरे देशों को टक्कर देगा। 40 फीसदी स्थानीय मूल्यवर्द्धन का लक्ष्य चीन के बराबर होगा, लेकिन अनुमान है कि चीन में विनिर्माण और असेंबली का काम चालू होने के कई दशक बाद स्थानीय मूल्यवर्द्धन 40 से 50 फीसदी तक पहुंच पाया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय के पहले 100 दिन के कामकाज में कलपुर्जा विनिर्माण के लिए पीएलआई योजना पर काम होने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई योजना को अंतिम रूप देने से पहले नीति आयोग और वित्त मंत्रालय से सलाह ले रहा है। आईटी मंत्रालय ने पहले 100 दिन के अपने एजेंडा में 30 से अधिक बिंदुओं की सूची सौंपी है और उनमें इस योजना को शीर्ष प्राथमिकता दी है। नई योजना में मंत्रालय जिन कलपुर्जों को शामिल करेगा, उनकी पहचान की जा चुकी है। उद्योग सहित पक्षों के साथ परामर्श के बाद जल्द ही सूची को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में स्थानीय मूल्यवर्द्धन बढ़ने पर आयात के बजाय देसी उद्यमियों से ज्यादा मात्रा में कलपुर्जे लिए जाएंगे। इससे देश का राजस्व बढ़ेगा। नई योजना इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण और सेमीकंडक्टर कलपुर्जा संवर्द्धन योजना (स्पेक्स) की जगह लेगी, जो इस साल 31 मार्च को खत्म हो गई। स्पेक्स योजना 2020 में तीन साल के लिए लाई गई थी और इसे 31 मार्च, 2024 तक बढ़ा दिया गया था। इसके तहत कई इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिए होने वाले पुंजीगत खर्च का 25 फीसदी हिस्सा वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में लौटा दिया जाता था। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति में केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन से 2025-26 तक 300 अरब डॉलर राजस्व हासिल करने का लक्ष्य रखा था।

सोने और चांदी की कीमतों में आया उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई। आज दोनो ही धातुओं की वायदा कीमतों में तेजी रही। कारोबार के दौरान सोने के वायदा भाव 71,600 रुपये वहीं चांदी के वायदा भाव 89,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों में उछाल रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 33 रुपये बढ़कर 71,523 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 80 रुपये की तेजी के साथ 71,570 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ये 71,594 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,523 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर पहुंचा था।

वहीं चांदी की वायदा कीमतों की शुरूआत में आज बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 587 रुपये की तेजी के साथ 89,250 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 654 रुपये की तेजी के साथ 89,317 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 89,321 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 89,250 के भाव पर दिन निचला स्तर पर पहुंचा। पिछले माह चांदी की वायदा कीमतें 96,493 रुपये के भाव पर दिन के शीर्ष स्तर पर पहुंचीं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों में आज तेजी रही रही। कॉमेक्स पर सोना 2,334 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,326.60 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.38 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 29.23 डॉलर था।

नए कलेवर में रफ्तार भरने को तैयार है नई स्विफ्ट

अब 3 सिलिंडर इंजन के साथ आती है नई कार

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में फिर से नई स्विफ्ट नए रंग रूप के साथ रफ्तार भरने को तैयार है। पहले स्विफ्ट में 1.2 लीटर का 4 सिलिंडर इंजन आता था, लेकिन अब यह 3 सिलिंडर इंजन के साथ आती है। मारुति द्वारा स्विफ्ट में इंट्रोड्यूस किया गया झेड सीरीज एक नया इंजन है। खास बात यह है कि ये एक बेहतरीन थ्री सिलिंडर इंजन है, जो रिफाइन तो है ही और इसका रिस्पांस भी काफी अच्छा है। यह इंजन कंपीटिशन में आने वाले थ्री सिलिंडर इंजन से काफी बेहतर है। ना तो ज्यादा शोर करता है, ना ही ज्यादा वाइब्रेशन। हमे इस गाड़ी चलाने का मजा मैन्युअल गियरबॉक्स के साथ आया हालाँकि एएमटी भी अच्छा है। अगर आप इस गाड़ी को खरीदना चाहते है तो दोनों की टेस्ट ड्राइव जरूर लें। स्विफ्ट 2024 में आपको 6 एयरबैग, 3 पॉइंट सीटबेल्ट वह भी सारे पैसेंजर्स के लिए, हिल होल्ड एसिस्ट, एबीएस प्लस ईबीडी और इसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंट्स भी मिलते हैं। यानी की ये अब पहले से ज्यादा सेफ है। इसके इलावा इसमें कनेक्टेड फीचर्स भी दिए हुए है। अगर आपको एक ऐसी हैचबैक चाहिए जो अपने सेगमेंट में सबसे ज्यादा माइलेज दे तो आप स्विफ्ट खरीद सकते हैं। स्विफ्ट लवर हैं तो आप पुरानी स्विफ्ट को नयी स्विफ्ट से रिप्लेस कर सकते हैं। इसका नया डिजाइन काबिले तारीफ है और इंटीरियर भी स्मार्ट लुकिंग है, चलने तो बढ़िया है ही, हो सकता है रफ्तार पसंद लोगों को इंजन थोड़ा कमजोर लगे और मौजूदा 4 सिलिंडर इंजन के मुकाबले पावरफुल महसूस ना हो फिर भी यह एक बेस्ट थ्री सिलिंडर इंजन है। आप यह भी सोच सकते हैं कि स्विफ्ट का प्राइस मारुति सुजुकी बलेनो के आस पास है और उसे खरीदना चाहें, लेकिन यकीन माने स्विफ्ट का अपना एक चार्म है। नई स्विफ्ट का डिजाइन पहले जैसा ही है लेकिन ये पहले से और भी ज्यादा शार्प हो गई है।

टी20 विश्व कप में आज होगा बांग्लादेश और नीदरलैंड में मुकाबला

किंग्सटाउन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में गुरुवार को बांग्लादेश और नीदरलैंड के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीम बड़ी जीत दर्ज कर सुपर आठ के लिए अपनी संभावनाएं बनाए रखने उतरेंगी। ग्रुप डी में बांग्लादेश की टीम अभी दूसरे स्थान पर है। इसके साथ ही उसके और डच टीम नीदरलैंड के बराबर दो दो अंक हैं पर बांग्लादेश की टीम बेहतर नेट रन रेट के आधार पर अभी दूसरे स्थान पर है। वहीं नेपाल और श्रीलंका के एक-एक अंक हैं पर उनके पास भी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर सुपर 8 में जगह बनाने का अवसर है। बांग्लादेश ने अपने पहले मैच में श्रीलंका को दो विकेट से हराया था पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। नीदरलैंड की टीम भी पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार गई थी और उसे भी सुपर आठ की दौड़ में बने रहने ये मैच किसी भी हालत में जीतना होगा। इस मैच में बांग्लादेश डच टीम को हल्के में लेने की गलती नहीं करेगी क्योंकि वह उलटफेर में सक्षम है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

बांग्लादेश - नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तनजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम और तनजीम हसन साकिब।

नीदरलैंड -स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, काइल क्लेन, लोगन वैन बीक, मैक्स ओडॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, रयान क्लेन, साकिब जुल्फिकार, सिब्रांड एंजेलब्रेच, तेजा निदामनुरु, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंगमा और वेस्ले बैरेसी।

टी20 विश्व कप में अबतक हावी रहे हैं गेंदबाज

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका में पहली बार खेले जा रहे आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक गेंदबाज हावी रहे हैं। यहां तक कि टीम की जीत भी गेंदबाज ही तय कर रहे हैं। अभी तक केवल ऑस्ट्रेलियाई टीम ही यहां 200 के आंकड़े तक पहुंच पायी है। वहीं अधिकतर टीम 150 रनों के अंदर ही सिमटी हैं। अभी तक खेले गये 21 लीग मुकाबलों में गेंदबाज इस तरह हावी रहे कि कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया है। फिर चाहे सामने कमजोर टीम हो या बराबरी के स्तर वाली।

सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में अफगानिस्तान के गेंदबाज फजलहक फारुकी दो मैचों में नौ विकेट लेकर सबसे आगे चल रहे हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्खिया तीन मैचों में नौ रन प्रति ओवर की औसत के साथ आठ विकेट लेकर दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दो मैचों में सात की औसत से छह विकेट के साथ तीसरे, चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के राशिद खान दो मैचों में आठ रन की औसत के साथ छह विकेट लिये है। ओमान के मेहरान खान तीन मैच आठ रन प्रति ओवर की औसत से छह विकेट पांचवें स्थान पर है।

वहीं भारत के जसप्रीत बुमराह दो मैच में 8.40 की औसत से छह विकेट लेकर छठें स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका के ओट्नील बार्टमैन तीन मैच 14.40 के साथ पांच विकेट के साथ सातवें स्थान पर है। श्रीलंका के नुवान तुषारा और नीदरलैंड के लोगन वैन बीक दो मैच में 8.40 की औसत से पांच-पांच विकेट के साथ संयुक्त रुप से आठवें और नौवें स्थान पर है। युगांडा के ब्रायन मसाबा तीन मैच 14.40 की औसत के साथ पांच विकेट लेकर दसवें स्थान पर है।

टी-20 विश्वकप इतिहास में कुल सात गेंदबाज ने अब तक सबसे अधिक विकेट लेने की उपलब्धि हासिल है, जिसमें चार गेंदबाज एशिया से हैं। वर्ष 2007 और 2009 में पाकिस्तान के उमर गुल, साल 2021 और 2022 में श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा दो ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने इस प्रतियोगिता में दो बार सबसे अधिक विकेट हासिल करने की उपलब्धि हासिल थी।

टी20 विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया को हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। लेग स्पिनर एडम जंपा की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्वकप क्रिकेट के ग्रुप बी में नामीबिया को आठ विकेट से हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में नामीबिया को 17 ओवर में 72 रन पर समेटने के बाद जीत के लिए मिले आसान से लक्ष्य को केवल 3.4 गेंदों पर एक विकेट पर 74 रन बनाकर हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 34 और कप्तान मिचेल मार्श ने 18 रन बनाये। वहीं डेविड वार्नर ने आठ गेंद पर 20 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे उसने एक मैच शेष रहते हुए ही सुपर आठ में जगह बना ली है। वहीं नामीबिया की यह तीन मैच में दूसरी हार है जिससे वह सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गया है।

वहीं स्कॉटलैंड और इंग्लैंड ग्रुप बी से दूसरे स्थान की दौड़ में बने हुए हैं। नामीबिया की टीम ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी। उसकी ओर से कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने सबसे अधिक 36 रन बनाए जिससे नामीबिया 43 रन पर आठ विकेट खोने के बाद मुश्किल से 50 रन के ऊपर पहुंच पायी। नामीबिया का ये टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम स्कोर है। जंपा ने बीच के ओवरों में घातक गेंदबाजी कर चार ओवर में 12 रन देकर चार विकेट लिए।

जंपा ने इसी के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी हासिल कर ली है। वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। वहीं जोश हेज़लवुड ने नामीबिया के सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन (10) और निको डेविन (02) को आउट किया। वहीं मार्कस स्टोइनिस ने तीन ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिए जबकि कप्तान पैट कमिंस और नाथन एलिस ने एक-एक विकेट लिया।

पिच कठिन होने के कारण कनाडा के खिलाफ हासिल नहीं कर पाये नेट रन रेट : बाबर

न्यूर्योक (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने आईसीसी टी20 विश्व कप में कनाडा के खिलाफ सात विकेट से मिली जीत पर राहत व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन पिच के कारण उनकी टीम के लिए इस मुकाबले में लक्ष्य हासिल करना कठिन रहा। पाक ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप ए मैच में कनाडा को सात विकेट से हराकर अपनी सुपर आठ की संभावनाएं बनाये रखीं हैं। इस मैच में पाक टीम को बेहतर नेट रन रेट से जीत की जरुरत थी। उसी को लेकर बाबर ने कहा कि नेट रन रेट की बात उनके दिमाग में थी पर कठिन पिच के कारण इसे हासिल नहीं कर पाये। बाबर ने कहा कि हमें इस जीत की सख्त जरुरत थी। हमने अच्छी गेंदबाजी की थी। पाकिस्तान को अपना नेट रन रेट सकारात्मक बनाने के लिए इस लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल करना था। उसे 0.626 से ज्यादा नेट रन रेट वाले अमेरिका को पीछे छोड़ने के लिए कनाडा के खिलाफ 13.5 ओवर में ही जीत हासिल करनी थी पर पाक ने कनाडा पर ये 15 गेंद रहते जीत हासिल की जिससे अब उसका नेट रन रेट - 0.150 से 0.191 हो गया है। इस प्रकार वह अब भी अमेरिका से पीछे है और अगले दौर में जगह बनाने के लिए उसे आयरलैंड के खिलाफ 16 जून को होने वाले मैच में जीत दर्ज करने के साथ ही उम्मीद करनी होगी कि अमेरिका अपने बचे हुए दोनों ही मैच हार जाए। बाबर ने कहा कि हमारे दिमाग में नेट रन रेट की बात थी पर पिच के कारण उसे हासिल करना कठिन रहा। पाक टीम पर कनाडा के खिलाफ जीत के बाद भी विश्व कप से बाहर होने का खतरा बना हुआ है। पाकिस्तान को कनाडा के खिलाफ वह मुकाबला बड़े अंतर से जीतना था जिससे कि वह अमेरिका से बेहतर रन रेट हासिल कर सके। पाक ने भले ही कनाडा को 106 रन पर रोक दिया पर 18वें ओवर में जीत हासिल की। इससे उन्हें नेट रन रेट में ज्यादा फायदा नहीं मिला।

शार्दुल ठाकुर के पैर की लंदन में सर्जरी, तीन महीने के लिए बाहर

लंदन (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर के पैर की बुधवार को यहां सर्जरी हुई और संभावना है कि वह कम से कम तीन महीने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर रहेंगे। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर सर्जरी के बाद की तस्वीर साझा की जिसका शीर्षक था, 'ऑपरेशन सफलतापूर्वक हुआ।' यह शार्दुल के पैर की दूसरी सर्जरी है। इससे पूर्व पांच साल पहले 2019 में भी उनके पैर की सर्जरी हुई थी। इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान चोट फिर से उभर आई थी। हालांकि वह पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी में शानदार वापसी करने में सफल रहे और मुंबई को अपना 42वां खिताब जीतने में मदद की। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्थने और तैयारी के लिए पर्याप्त समय के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मैचों के बीच लंबे ब्रेक का अनुरोध किया था। इंडियन प्रीमियर लीग के हाल में संपन्न सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए खेलते हुए उन्होंने नौ मैच में 9.75 की इकोनॉमी रेट से केवल पांच विकेट लिए। शार्दुल बीसीसीआई के ग्रेड सी के वार्षिक अनुबंध धारक हैं इसलिए उनके इलाज का खर्च बोर्ड द्वारा उठाया गया।

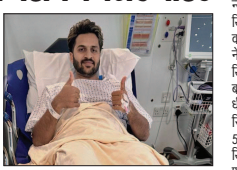

रिजवान टी20 विश्व कप में सबसे धीमा अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बने

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के नाम कनाडा के खिलाफ टी20 विश्वकप मुकाबले में एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। रिजवान ने इस मैच में सबसे धीमा अर्धशतक लगाया। रिजवान ने इस मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रिजवान ने कनाडा के खिलाफ 53 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 53 रन बनाए और इसके बाद अर्धशतक के लिए 52 गेंदें खेली। यह टी20 विश्वकप का अब तक का सबसे धीमा अर्धशतक है। इससे पहले टी20 विश्व कप में सबसे धीमे अर्धशतक का रिकॉर्ड डेविड मिलर के नाम था। वार्नर ने भी इसी मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ 50 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। इसके अलावा डेवोन स्मिथ ने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2007 में 49 गेंदों जबकि डेविड हसी ने इंग्लैंड के खिलाफ 49 में शतक लगाया था। इस मैच में जीत से पाक के सुपर आठ में पहुंचने की संभावनाएं बनी हुई हैं।

पोंटिंग ने रोहित की कप्तानी को सराहा

न्यूयॉर्क। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। पोंटिंग ने कहा कि टी20 विश्व कप में जिस प्रकार से रोहित ने कप्तानी की है। उससे पता चलता है कि वह इसमें कितने कुशल हैं। रोहित ने इस मैच में छोटे स्कोर का बचाव करते हुए दबाव में आये बिना अपने गेंदबाजों पर भरोसा करते हुए उनका समर्थन किया। पोंटिंग ने एक वीडियो में कहा कि रोहित बहुत अनुभवी कप्तान हैं। मैंने उन्हें जब देखा तो कहा कि आपकी कप्तानी शानदार रही थी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वह इससे ज्यादा कुछ कर सकता था। आप उनकी टीम में मौजूद कई गेंदबाजों के बारे में सोचिए। उनके पास वास्तव में आईपीएल में भी ऐसे गेंदबाज हैं, सिर्फ भारत के लिए नहीं। पोंटिंग ने कहा कि इसलिए वह उन्हें समझते हैं और जानते हैं कि उन्हें कब इस्तेमाल करना है। साथ ही कहा कि कप्तान के लिए योजना बनाना एक बात है, गेंदबाजों के लिए उसे अमल में लाना अलग बात है। हार्दिक पंड्या ने उस मैच में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। एक समय पाक टीम काफी अच्छी स्थिति में थी और 48 गेंदों पर जीत के लिए 48 रन ही बनाने और उसके पास काफी विकेट थे। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, पंड्या और मोहम्मद सिराज ने भारतीय टीम को मैच में वापसी कराई। पोंटिंग ने कहा कि मुझे लगा कि पंड्या ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया।

विश्व कप क्वालीफाइंग : भारत ने कतर के विवादास्पद गोल की जांच की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मैच आयुक्त को शिकायत करके दोहा में विश्व कप क्वालीफाइंग के अपने महत्वपूर्ण मुकाबले में कतर को विवादास्पद गोल देने की जांच की मांग की है। एआईएफएफ के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने 'गोल की गहन जांच' की मांग है। मंगलवार को जस्सिम बिन हमाद स्टेडियम में करो या मरो के मुकाबले में भारत को 1-2 की हार के दौरान रैफरी किम वू सुंग ने गोल को स्वीकृति दी थी जबकि इससे पहले ही गेंद खेल के मैदान से बाहर जा चुकी थी। इस गोल पर काफी विवाद हुआ क्योंकि इससे 2026 के टूर्नामेंट के लिए भारत को पहली बार फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में प्रवेश से वंचित कर दिया।

एआईएफएफ के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने मैच आयुक्त को शिकायत की है और पूरे मामले की गहन जांच की मांग की है।' ईरान के हामेद मोमेनी इस मुकाबले के मैच आयुक्त थे। मैच आयुक्त की भूमिका मैच के आयोजन की निगरानी करना और यह सुनिश्चित करना होती है कि मुकाबले के दौरान फीफा के नियमों का पालन किया जाएगा। मैच के 73वें मिनट में अब्दुल्लह अलाहरक की फ्री किक पर यूसेफ आयमेन ने हेडर लगाने का प्रयास किया जिसे भारतीय कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने रोक दिया। गुरप्रीत हालांकि मैदान पर गिर गए और इस दौरान गेंद खेल के मैदान से बाहर चली गई। हाशमी हुसैन किक मारकर गेंद को दोबारा खेल के मैदान में ले आए और आयमेन ने गोल कर दिया।

गेंद के खेल के मैदान से बाहर जाने के कारण खेल रोका जाना चाहिए था और कतर को कॉर्नर किक मिलनी चाहिए थी क्योंकि गुरप्रीत गेंद के बाहर जाने से पहले उससे संपर्क करने वाले आखिरी खिलाड़ी थे। भारतीय खिलाड़ी हालांकि उस समय हताश हो गए जब रैफरी ने कतर को गोल दे दिया और मेहमान टीम के कड़े विरोध के बावजूद मैदानी अधिकारी अपने फैसले पर बरकरार रहा। नियम के अनुसार अगर गेंद 'गोल लाइन या टचलाइन' से मैदान पर या हवा में पूरी तरह से बाहर निकल जाती है तो उसे खेल से बाहर माना जाएगा। भारत के कोच इगोर स्टिमक ने बाद में निराशा जताते हुए कहा कि इस गोल ने उनकी टीम के सपने को खत्म कर दिया। गुरप्रीत ने भी इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण नतीजा' करार दिया।

इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर डैनी वायट ने फुटबॉलर जॉर्जी से शादी रचायी

लंदन। इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर डैनी वायट ने अपनी दोस्त और पेशेवर महिला फुटबॉलर जॉर्जी हॉज से शादी रचायी है। दोनों ने पिछले साल सगाई की थी और अब शादी कर ली है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में डैनी ने जॉर्जी को प्रपोज किया था, जिसके बाद दोनों ने सगाई की थी। डैनी वायट एक समय कभी भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के पीछे दीवानी थी। साल 2014 में उन्होंने ट्विटर पर विराट को प्रपोज करते हुए लिखा था, विराट मुझसे शादी कर लो। यह ट्वीट सोशल मीडिया पर काफी चर्चाओं में रहा था। विराट ने इस घटना का जिक्र करते हुए एक शो में कहा था कि उनकी मम्मी ने तक कहा था कि अभी मेरे बेटे की शादी की उम्र नहीं हुई है। विराट ने यह बात मजाक में कही थी और बताया कि उनकी मम्मी ने उन्हें कुछ कहने ही नहीं दिया। वायट और जॉर्जी की शादी की खबर से उनके प्रशंसक उत्साहित है और इन दोनो ही सोशल मीडिया के जरिये बधाई देते हुए दिखे।

पेरिसओलंपिक में भी हार नहीं मानने के जज्बे को बरकरार रखेंगे विष्णु सरवनन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौकाचालक विष्णु सरवनन को तोक्यो में अपने पहले ओलंपिक में निर्भीक रवैये से काफी मदद मिली थी और अब वह अगले महीने पेरिस में भी इसी हार नहीं मानने की मानसिकता को जारी रखने के लिए तैयार हैं। सरवनन ने इस साल की शुरू में आस्ट्रेलिया में आईएलसीए 7 पुरुष विश्व चैम्पियनशिप से अपने दूसरे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। इस 25 साल के नौकाचालक ने कहा, ''तोक्यो में मैं निर्भीक होकर खेला था। वो मेरा पहला ओलंपिक था तो मुझे नतीजे की इतनी परवाह नहीं थी। मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था और मैंने ठीक प्रदर्शन किया था।'' सरवनन ने मंगलवार को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा करायी गयी वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वह अनुभवी नौकाचालकों और उनकी उपलब्धियों से प्रभावित नहीं हुए जिससे उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा मिला। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ने कहा, ''उस निडरता ने मुझे सिखाया कि आप खुद को कुछ अनुभवी खिलाड़ियों से कमतर नहीं आंककर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। आपको सहजता के उस स्तर तक जाना होगा जहां आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें और मुझे लगता है कि मैंने इस सत्र में सुधार किया है।'' उन्होंने कहा, '' मैं आत्मविश्वास से भरा था और मैं हार नहीं मानने के जज्बे से खेल रहा था तो मैं उन्हें हराना चाहता था।'' विश्व में 17वें नंबर के नौकाचालक सरवनन पिछले एक महीने से मार्सेल में ट्रेनिंग कर रहे हैं। वहां वह ओलंपिक स्थल पर साइप्रस के लंदन 2012 रजत पदक विजेता पावलोस कोंटाइड्स और क्रोएशिया के रियो और तोक्यो रजत पदक विजेता टोन्सी स्टिपनोविच के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं।

अल्कारेज ने एफिल टॉवर का टैटू बनवाया

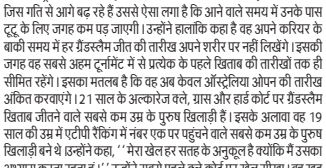

पेरिस। फ्रेंच ओपन खिताब जीतने से उत्साहित स्पेन के कार्लोस अल्कारेज का लक्ष्य अब एक जुलाई से विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के लिए अभ्यास करना रहेगा हालांकि अभी वह ग्रैंड स्लैम खिताबों का जश्न मनाने में लगे हैं। इसी के तहत ही उन्होंने अपनी पहली फ्रेंच ओपन वैंपियनशिप जीतने की तारीख और एफिल टॉवर का टैटू बनाया है। रोला गैरा की जीत को याद रखने के लिए अल्कारेज ने ये टैटू बाएं टखने के पास बनवाया है। उनके टखने पर पहले से ही 2023 विंबलडन जीत की तारीख और एक स्ट्रॉबेरी की छवि बनी है। उनके बाएं हाथ पर उनकी पहली ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी की तारीख है जो 2022 अमेरिकी ओपन में आई थी। अल्कारेज जिस गति से आगे बढ़ रहे हैं उससे ऐसा लगा है कि आने वाले समय में उनके पास टूटू के लिए जगह कम पड़ जाएगी। उन्होंने हालांकि कहा है वह अपने करियर के बाकी समय में हर ग्रैंडस्लैम जीत की तारीख अपने शरीर पर नहीं लिखेंगे। इसकी जगह वह सबसे अहम टूर्नामेंट में से प्रत्येक के पहले खिताब की तारीखों तक ही सीमित रहेंगे। इसका मतलब है कि वह अब केवल ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तारीख अंकित करवाएंगे। 21 साल के अल्कारेज वले, ग्रास और हार्ड कोर्ट पर ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी हैं। इसके अलावा वह 19 साल की उम्र में एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने थे। उन्होंने कहा, ''मेरा खेल हर सतह के अनुकूल है क्योंकि मैं उसका अभ्यास करता रहता हूं।'' उन्होंने सबसे पहले वले कोर्ट पर खेल सीखा। वह खुद को हार्ड कोर्ट पर सबसे अधिक सहज पाते हैं। उन्होंने वहां उत्कृष्टता हासिल करने की कोशिश की क्योंकि अधिकांश टूर्नामेंटों में इसका उपयोग किया जाता है।

दिल्ली के श्रेयस दास नें जीता खेलो चैस इंडिया फीडे 100 इंटरनेशनल रेटिंग टूर्नामेंट

भोपाल, मध्य प्रदेश(एजेंसी)। विश्व शतरंज के 100 वर्ष होने के उपलक्ष्य में चेसबेस इंडिया द्वारा स्थानीय कोलार स्थित सेज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित खेलो चैस इंडिया इंटरनेशनल रेटिंग टूर्नामेंट का खिताब दिल्ली के श्रेयस दास ने अपने नाम कर लिया। श्रेयस ने टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए 8 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया जबकि अंतिम राउंड में उनसे ड्रॉ खेलने वाले मध्य प्रदेश के रेवांश वैद्य 7.5 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे। तीसरा स्थान मिला मध्य प्रदेश के अनिल कुशवाहा को जिन्होंने अंतिम राउंड में प्रदेश के हर्षित डावर को मात देते हुए 7.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में तीसरा स्थान हासिल किया। 7 अंक बनाकर राजस्थान के ओजस जोशी बेहतर टाईब्रेक के साथ पर चौथे स्थान पर रहे वहीं सातवे राउंड में उलटफेर का शिकार हुई टॉप सीड कोलंबिया की एंजेला फ्रांको वापसी करते हुए अंतिम दो मैच जीतकर टाईब्रेक के आधार पर 7 अंक बनाकर पांचवें स्थान पर रही, एंजेला टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी भी रही। अन्य खिलाड़ियों में मध्य प्रदेश के हर्षित डावर, दिल्ली के कथन खुराना, मध्य प्रदेश के मीतांश दीक्षित, हरयाणा के मिलिंद पारले 7 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर छठे से नौवे स्थान पर रहे जबकि 6.5 अंक बनाकर मध्य प्रदेश के कामद मिश्रा बेहतर टाईब्रेक के आधार पर दसवें स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से कुल 68 नए खिलाड़ियों को फीडे आईडी मिली तो करीब 20 नए खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग भी प्राप्त हुई।

प्रतियोगिता में भारत के 10 राज्यों और भारत के बाहर से कोलम्बिया से कुल 174 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

सागर शाह ने किया पुरूष्कार वितरण - प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण में भारत के जाने माने और दुनिया के सबसे बड़े शतरंज विश्लेषक में शुमार इंटरनेशनल मास्टर सागर शाह नें सभी खिलाड़ियों को खास तौर पर मुंबई से भोपाल आकर पुरस्कार वितरित किये।

एंजेला और माधवेन्द्र ने खेला साइमल शतरंज - अंतिम राउंड के बाद पुरूष्कार वितरण के ठीक पहले भोपाल में पहली बार एक साथ दो खिलाड़ियों ने साइमल शतरंज का प्रदर्शन किया। कोलंबिया की महिला इंटरनेशनल मास्टर एंजेला ने और भोपाल के अंडर 10 एशियन चैम्पियन माधवेन्द्र प्रताप शर्मा ने 10 - 10 खिलाड़ियों के साथ एक साथ शतरंज के मुकाबले खेले।

इसके अलावा एक खास कार्यक्रम के तहत सभी खिलाड़ियों और अतिथियों ने भारत के डी गुकेश को आने वाली विश्व शतरंज चैंपियनशिप में शुभकामनए देने के लिए संदेश भी लिखे।

सूरत सिविल अस्पताल में सफल 'कॉक्लियर इंप्लांट' सर्जरी: जन्म से बहरे और गूंगे तीन बच्चों ने पाई नई जिंदगी

सूरत । राज्य सरकार के 'राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम' (आरबीएसके) जो जन कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जनता तक पहुंचता है, के तहत 'कॉक्लियर इंप्लांट' की सफल सर्जरी नि:शुल्क की गई है। सूरत का न्यू सिविल हॉस्पिटल. एक निजी अस्पताल में रु. ऑपरेशन में 8 से 10 लाख की लागत के स्थान पर सफल इलाज राज्य सरकार की मदद से निःशुल्क किया गया। सूरत के अल्लपाड तालुक के सतीशकुमार पटेल का पांच साल का बेटा तस्माय, जो जन्म से ही बहरा है (बोल और सुन नहीं सकता) और कामरेज तालुक के ननसद गांव के योगेशभाई जगदाले की दो साल की बेटी सारांशी। 'कॉक्लियर इम्प्लांट' के जरिए मिला है 'बोलने-सुनने' का सुख सूरत के धस्तीपुरा स्थित वरियाली बाजार में रहने वाले राहुलभाई राठौड़ के 5 साल के बेटे की सर्जरी हुई है। सूरत सिविल के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मिलकर तीनों बच्चों का सफल ऑपरेशन किया है।

सारांशी, अंश और तस्मय के परिवार की जब एक निजी अस्पताल में जांच की गई तो पता चला कि खर्च करीब 8 से 10 लाख रुपये था. जिसे ये मध्यम वर्गीय परिवार आर्थिक रूप से वहन नहीं कर सकते थे। लेकिन 'राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम' उनके लिए वरदान साबित हुआ और सूरत के नए सिविल विशेषज्ञ डॉक्टरों ने इन दोनों ऑपरेशनों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

सूरत सिविल के चिकित्सा अधीक्षक ई. चा. जिगिशा पाटडिया ने जानकारी देते हुए बताया कि सूरत नवी सिविल हॉस्पिटल में बहुत ही कम समय में 3 बच्चों की 'कॉक्लियर इंप्लांट' की सफल सर्जरी की गई है. बाल रोग विशेषज्ञों, एनेस्थीसिया और ईएनटी विभाग की एक टीम ने बच्चों का अवलोकन और परीक्षण किया और ईएनटी विभाग द्वारा ऑपरेशन किया गया। लाखों रुपए के कॉक्लियर इंप्लांट सरकार द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। ऑपरेशन के बाद बच्चों को पुनर्वास की आवश्यकता होती है जिसमें बच्चा सुनता है, समझता है, बच्चे को उसके सामान्य जीवन में लौटने में मदद करने का प्रयास टीम द्वारा किया जाता है।

कॉकलियर इंप्लांट के बारे में अधिक जानकारी देते हुए सूरत सिविल के ईएनटी विभाग की डॉ. प्रांची रॉय ने बताया कि सूरत सिविल अस्पताल में अब तक 12 सर्जरी हो चुकी हैं। हाल ही में 3 सर्जरी हुई हैं, अगर यह सर्जरी बाहर कराई जाए तो इंप्लांट का खर्च 7 से 10 लाख के बीच आएगा, लेकिन सरकारी योजना में यह सर्जरी मुफ्त में की जाती है। सूरत सिविल ईएनटी विभाग के बाल रोग विशेषज्ञों, एनेस्थीसिया विभाग के साथ मिलकर सफल सर्जरी की गई है। उन्होंने बताया कि बच्चों के पुनर्वास की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

गौरतलब है कि 6 साल या उससे कम उम्र के मूक-बधिर पैदा हुए बच्चे के कॉक्लियर इम्प्लांट और उसके बाद पुनर्वास की कुल लागत 8 लाख रुपये से अधिक है। इसमें प्री-ऑपरेटिव या इंट्रा-ऑपरेटिव स्क्रीनिंग, परीक्षण, ऑपरेशन, टीकाकरण और पुनर्वास की सभी लागतें शामिल हैं, जो सरकार की आरबीएसके योजना के तहत पूरी तरह से मुफ्त हैं।

न्यू सिविल में सफल 'कॉक्लियर इंप्लांट' सूरत सिविल के ईएनटी विभाग के प्रमुख डॉ. जैमिन कॉन्ट्रैक्टर, डेंटल विभाग के प्रमुख डॉ. गुणवंत परमार, आरएमओ डॉ. केतन नायक, नर्सिंग काउंसिल के उपाध्यक्ष श्री इकबाल कड़ीवाला, नर्सिंग स्टाफ सहित ओ.टी सफल सर्जरी में स्टाफ ने योगदान दिया।

कामरेज तालुक के नंसद गांव के योगेशभाई जगदाले कहते हैं कि उन्हें मेरी बेटी की सुनने की समस्या के बारे में तब पता चला जब वह ध्यान नहीं दे रही थी। जैसे ही हमें संदेह हुआ, हम कामरेज के एक निजी ईएनटी डॉक्टर के पास रिपोर्ट लेकर गए और उन्होंने कहा कि वह सुन नहीं सकती और इलाज का खर्च 8 से 10 लाख होगा। इसके बाद कामरेज को स्वास्थ्य विभाग को दिखाया गया और सूरत सिविल में जाने को कहा गया. सूरत सिविल लाया गया. यहां के डॉक्टरों ने सही निदान किया और निःशुल्क सफल सर्जरी की और अब हमारी बेटी की हालत स्थिर है। हम इस मुफ्त इलाज के लिए सरकार के आभारी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की योजना हेतु जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई

सूरत । 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए सूरत जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस वर्ष योग दिवस स्वयं और समाज के लिए योग की थीम पर मनाया जाएगा।

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने पर जिला कलेक्टर ने योग दिवस मनाने के लिए शहर और जिला स्तर पर एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम आयोजित करने की दिशा में काम करने का अनुरोध किया. योगदीन में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए अधिकारियों को पहले से प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया।

जिले के धार्मिक, पर्यटन, ऐतिहासिक, विरासत स्थलों पर योग दिवस समारोह को इस तरह से आयोजित करने की वकालत की गयी जो यादगार रहे. जिला स्तर, तालुका स्तर, नगर पालिका और ग्राम स्तर, पुलिस मुख्यालय, उप जेल में योग दिवस को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए कहा गया। इसके अलावा स्कूल, शैक्षणिक संस्थान, विश्वविद्यालय, एन.जी.ओ. तथा लोगों को स्वेच्छा से योगदीन समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लेने हेतु संगठित होने का निर्देश दिया गया। कलेक्टर ने शहरी क्षेत्र में 16 से 20 जून तक शहर एवं जिले के प्रमुख स्थानों पर योग शिविर आयोजित करने के निर्देश दिये।

इस बैठक में डी.जी. पावर कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री योगेश चौधरी, निवासी अतिरिक्त कलेक्टर श्री विजय रबारी, जिला ग्राम विकास एजेंसी के निदेशक श्री एमबी प्रजापति, सर्वेक्षण प्रांतीय अधिकारी, ममतालदारश्री, मुख्य अधिकारी, योग बोर्ड के प्रतिनिधि, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी मौजूद थे।

12 जून को सूरत जिले के बारडोली में विधायक ईश्वरभाई परमार की मौजूदगी में बारडोली दिवस मनाया गया

सूरत । सूरत जिले के बारडोली में विधायक ईश्वरभाई परमार की अध्यक्षता में 12 जून को सर्वत्र बारडोली दिवस मनाया गया। विधायक की मौजूदगी में कार रैली, वृक्षारोपण सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। 12 जून 1928 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के नेतृत्व में बारदोली सत्याग्रह किया गया। अंग्रेजों के विरुद्ध सीधी लड़ाई में किसान विजयी हुए। जिसकी याद में 12 जून 2017 को बारडोली दिवस के रूप में मनाया जाता है जिसकी शुरुआत ईश्वरभाई परमार ने की थी। इस अवसर पर बारडोली नगर पालिका के पार्षदों एवं नेताओं द्वारा राजमार्ग पर वृक्षारोपण किया गया। इसके साथ ही पूरे दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें भव्य 96 कार रैली भी शामिल थी।

कार्यालय उपश्रमायुक्त-सूरत द्वारा वर्ष 2023-24 में शहर एवं जिले से 53 बाल श्रमिकों को 53 अतिरेकों से मुक्त कराया गया है

सूरत । समाज में प्रदूषण फैलाने वाले 'बाल श्रम' को रोकने और इसके बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से ढ्ढरुह्र (अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन) द्वारा 2002 से हर साल 12 जून को च्बाल श्रम विरोधी दिवसज् के रूप में चिह्नित किया गया है। देश का भविष्य माने जाने वाले बच्चे गरीबी और मजबूरी के कारण मिलों या कारखानों में काम करने, कृषि कार्य, छोटे व्यवसायों या लॉरी/होटल में काम करने के लिए मजबूर हैं। जिसके कारण उनका समग्र विकास अवरुद्ध हो जाता है। किसी को पढ़ाई, खेल या मनोरंजन के अधिकार से भी वंचित कर दिया जाता है। कुछ मामलों में बाल श्रमिक अपराध, जुर्म या लत का शिकार हो जाते हैं।

चूंकि देश या समाज के लिए चुनौतीपूर्ण इस समस्या से निपटने के लिए कुछ उपाय आवश्यक हैं, इसलिए उप श्रम आयुक्त (बाल श्रम) कार्यालय द्वारा बाल श्रमिकों के हित में कार्य करते हुए निर्धारित मानदंडों के तहत नियमित आधार पर बाल श्रमिकों का पुनर्वास किया जाता है।

जहां तक सूरत जिले का सवाल है, जनवरी 2023 से मई-2024 तक कुल 53 छापे मारकर 17 बाल श्रमिकों (14 वर्ष से कम उम्र) को रोजगार देने वाली 12 संस्थाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। चूंकि 1 बच्चा गुजरात से है, इसलिए वह अपनी पुन: शिक्षा शुरू करने आया है। और इसी अवधि के दौरान, 14-18 वर्ष की आयु के 84 युवा श्रमिकों को रोजगार देने वाले कुल 52 प्रतिष्ठानों को विनियमन नोटिस भेजे गए हैं। जिसमें पिछले साल कुल 3.10 लाख का जुर्माना लगाया गया था और इस साल अब तक 1.20 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

इस बारे में जानकारी देते हुए सहायक श्रम आयुक्त एच.एस. गमीत ने कहा कि चूंकि सूरत में व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अधिक प्रवासी आते हैं, इसलिए बच्चे या युवा मजदूर मुख्य रूप से झारखंड, बिहार, राजस्थान आदि राज्यों से आते हैं। रोजगार कोला बनाने के लिए काम करते देखा जाता है गुड़। जिसमें बाल श्रमिकों को कार्यस्थल से मुक्त कराकर बाल संरक्षण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। जहां बच्चों से परामर्श और उचित सत्यापन तथा माता-पिता को बाल श्रम के बारे में पर्याप्त जानकारी देने के बाद बच्चों को उन्हें सौंप दिया जाता है। बाल श्रम कराने वाली संस्था के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाती है। साथ ही युवा रोजगार संगठन को नोटिस जारी किया जाता है और जरूरत पड़ने पर कोर्ट केस भी दायर किया जाता है।

इसके अलावा, उन्होंने स्टिकर, पोस्टर, पंपलेट, कैलेंडर और सेमिनार, नुक्कड़ नाटक या नाटक के माध्यम से बाल श्रम के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए उप श्रम आयुक्त कार्यालय, सूरत द्वारा समय-समय पर आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी। वहीं, सहायक श्रम आयुक्त ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें अनिवार्य पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते हुए प्रत्येक नागरिक को नैतिक जिम्मेदारी के तहत बाल श्रम के प्रदूषण से निपटने के लिए आवश्यक प्रयास करना आवश्यक है. जन जागरूकता के लिए बाल श्रम की शिकायत दर्ज कराने वाली रिपोर्टिंग एजेंसियों के बारे में जानकारी दी गई।

पौधों के लिये कोकेडमा की क्लास का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा पौधों के लिये कोकेडमा की क्लास का आयोजन बुधवार को सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के वृंदावन हॉल में किया गया। महिला शाखा की अध्यक्षा शालिनी कानोड़िया ने बताया कि क्लास में शिल्पा तुलस्यान द्वारा अपने घरों के अंदर पौधों को लगाने की जापानी कला कोकेडमा के बारे में समझाया। जिसमें सभी पौधों को सुंदर तरीक़े से मौस ग्रास, रस्सी एवं मिट्टी की सहायता से सजाना सिखाया। क्लास में उपस्थित सौ से ज़्यादा महिलाओं ने इस नई पद्दति को सीखा। इस मौक़े पर महिला शाखा की अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

मुंबई में SGCCI कला प्रदर्शनी का शानदार आयोजन

सूरत। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) द्वारा आयोजित एक भव्य कला प्रदर्शनी ने आज नेहरू सेंटर आर्ट गैलरी, मुंबई में अपने द्वार खोल दिए हैं। एसजीसीसीआई के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने कहा कि यह प्रदर्शनी 17 जून तक चलेगी और कला प्रेमियों को देशभर के 43 प्रतिभाशाली कलाकारों की रचनात्मकता का अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगी।

यह प्रदर्शनी कला की विभिन्न विधाओं का एक समृद्ध संग्रह प्रस्तुत करती है, जिसमें ऑयल पेंटिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, मूर्तियां, फोटोग्राफी और पेंसिल ड्राइंग शामिल हैं। कलाकारों ने अपनी कल्पनाओं और भावनाओं को इन कलाकृतियों में उकेरा है, जो निश्चित रूप से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देंगी। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता चैंबर के मानद मंत्री एवं निर्वाचित उपाध्यक्ष निखिल मद्रासी ने की।

एसजीसीसीआई कला प्रदर्शनी का उद्देश्य न केवल कला को बढ़ावा देना है, बल्कि कलाकारों को एक मंच प्रदान करना भी है जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और कला प्रेमियों से जुड़ सकें। प्रदर्शनी में प्रदर्शित कलाकृतियों की कीमतें 15 हजार रुपये से लेकर 1 लाख रुपये तक हैं।

प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह मंगलवार, 11 जून को सुबह 11ः00 बजे आयोजित किया गया। इस अवसर पर डी.आर. चोकसी फिनसर्व प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक देवेन चोकसी मुख्य अतिथि थे। चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष और निर्वाचित अध्यक्ष विजय मेवावाला ने सभी का स्वागत किया और घोषणा की कि अगले साल मुंबई, अहमदाबाद और नई दिल्ली में एसजीसीसीआई कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

चैंबर के मानद कोषाध्यक्ष किरण थुम्मर, चैम्बर के सभी प्रदर्शनी अध्यक्ष बिजल जरीवाला, क्यूरेटर चरणजीत सिंह ने कहा कि यह कला प्रदर्शनी कला प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अवसर है। कलाकारों की रचनात्मकता को देखने और कलाकृतियों को खरीदने का यह एक सुनहरा मौका है। प्रदर्शनी 17 जून तक सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक खुली रहेगी।

किको की बेबी मोमेंट्स 'नो फेनोक्सीथेनॉल' शिशु सौंदर्य प्रसाधनों की रेंज आधुनिक माता-पिता के बच्चों के लिए एक शीर्ष पसंद बन गई है

शिशुओं की त्वचा बहुत नाजुक और मुलायम होती है और उन्हें बहुत अधिक देखभाल की आवश्यकता होती है। माता-पिता उन उत्पादों के बारे में जानते हैं जो सही सामग्रियों से बने होते हैं और इसलिए वे हर समय इसके बारे में सतर्क रहते हैं। पहले माता-पिता ऐसे उत्पादों का उपयोग करते थे जो एसएलएस, एसएलईएस, रंगों और अल्कोहल से मुक्त होते थे क्योंकि ये रसायन बच्चे की त्वचा के लिए हानिकारक होते थे। हालाँकि, जब सुरक्षा की बात आती है तो आधुनिक माता-पिता एक कदम आगे होते हैं, क्योंकि वे ऐसे उत्पादों की तलाश करते हैं जो फेनोक्सीथेनॉल से मुक्त हों। किक्को जैसे ब्रांड माता-पिता के लिए विकल्प आसान बनाने में अग्रणी हैं। किको बेबी मोमेंट्स बेबी कॉस्मेटिक्स रेंज को फेनोक्सीथेनॉल मुक्त बनाकर अपग्रेड करने वाले कई अग्रणी ब्रांडों में से एक है, जिससे उन उपभोक्ताओं के लिए यह आसान हो जाता है जो अपने शिशु उत्पादों में अधिक सुरक्षा चाहते हैं।

आप में से कुछ लोग सोच रहे होंगे कि फेनोक्सीथेनॉल क्या है। फेनोक्सीथेनॉल एक किफायती रसायन है जिसका उपयोग सौंदर्य प्रसाधनों में उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए किया जाता है। हालाँकि, यह एक ऐसा घटक है जो कई देशों में चिंता का विषय बनता जा रहा है। उपभोक्ता सुरक्षा पर यूरोपीय वैज्ञानिक समिति (यूरोपीय औषधि एजेंसी के तहत) 1त्न की अधिकतम सांद्रता पर इसके उपयोग को मंजूरी देती है। इसी तरह, जापान का स्वास्थ्य, श्रम और कल्याण मंत्रालय इसे च्प्रतिबंधित घटकज् के रूप में परिभाषित करता है और इसके उपयोग को 1त्न तक सीमित करता है।

जब आप अपने बच्चे के लिए शिशु सौंदर्य प्रसाधन खरीदते हैं तो कृपया उत्पाद के पिछले लेबल पर मौजूद सामग्रियों को ध्यान से पढ़ें ताकि यह जांचा जा सके कि इसमें फेनोक्सीथेनॉल है या नहीं। उत्पाद लेबल पर फेनोक्सीथेनॉल के लिए उपयोग किए जाने वाले सामान्य नाम फेनोक्सीथेनॉल, एथिलीन ग्लाइकोल मोनोफिनाइल ईथर, 2-फेनोक्सीथेनॉल, गुलाब ईथर हैं। फेनोक्सीएथाइल अल्कोहल, बीटा-हाइड्रॉक्सीएथाइल फिनाइल ईथर। हालाँकि, कुछ लोग आयुर्वेदिक उत्पादों में अन्य नामों का उपयोग कर सकते हैं।

किक्को बेबी मोमेंट्स न केवल फेनोक्सीथेनॉल से मुक्त है, बल्कि श्वष्ठञ्ज और फ़ेथलेट्स सहित ट्रोपोपेलोन से भी मुक्त है। यह हमेशा की तरह पैराबेंस, एसएलएस, एसएलईएस, डाई और अल्कोहल से भी मुक्त है। इसके अलावा यह शिशु की त्वचा की देखभाल के लिए जाने जाने वाले 100त्न वानस्पतिक अवयवों के कई प्राकृतिक अवयवों से समृद्ध है।

आर्टसना इंडिया (किको) के सीईओ श्री राजेश वोहरा ने अपनी खुशी व्यक्त की और कहा - च्किको में, हम आधुनिक माता-पिता की इच्छाओं को पूरा करने के लिए 120 से अधिक देशों में अपने वैज्ञानिक ज्ञान और 65 वर्षों के वैश्विक अनुभव का उपयोग करते हैं। किको बेबी मोमेंट्स ने 12 साल पहले भारत में पैराबेंस-मुक्त शिशु सौंदर्य प्रसाधनों की शुरुआत की थी, जब उनके उपयोग पर अभी भी प्रतिबंध नहीं था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)